



विश्व के सरी

सिर्फ पत्रकारिता...

@vishwakesariTV

@vishwakesari

vishwa kesari official

@VishwaKesari

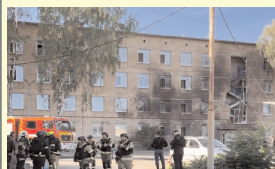
@ खेल शानदार सेरेमनी के साथ हुआ एशियन गेम्स 2026...

@ विचार बदलते दौर में विवादग्रस्त होते आश्रम...

@ व्यापार भारत को लेकर बढ़ रहा अंतरराष्ट्रीय विश्वास...

स्वबर झरोखा

यूक्रेन के सूमी में भारतीय फार्मा कंपनी के प्लांट पर रूसी ड्रोन हमला, एक की मौत



कीव। यूक्रेन के सूमी में भारतीय समूह कुसुम के फार्मा प्लांट पर रूसी ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, हमले में फार्मा प्लांट की मुख्य संरचना को भारी नुकसान पहुंचा है। एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, रूसी ड्रोन हमले के बाद प्लांट से धुएँ का बड़ा गुबार उठता दिखाई दिया। अधिकारियों ने कहा है कि हमले में हताहतों की संख्या में बदलाव हो सकता है। सूमी में रविवार सुबह से ही लगातार एयर रेड सायरन बजते रहे।

वैश्विक झटकों के बीच भारत को बनाया अधिक मजबूत और लचीला: शक्तिशाली दास

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव शक्तिशाली दास ने रविवार को कहा कि पिछले एक दशक में लागू किए गए व्यापक आर्थिक सुधारों ने भारत को वैश्विक झटकों के बीच अधिक मजबूत, स्थिर और लचीली अर्थव्यवस्था के रूप में उभरने में मदद की है। उन्होंने कहा कि इन सुधारों ने मजबूत संस्थाओं का निर्माण किया, व्यापक आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित की और उत्पादक क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा दिया।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ उद्धव-राज ठाकरे का मुंबई में प्रदर्शन

दिल्ली में भी आप, स्टूडेंट यूनियन सड़क पर उतरे; सीइसी के खिलाफ 3 दिन में तीन प्रदर्शन

एजेंसी ■ मुंबई

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ रविवार को मुंबई में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने जॉइंट प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में हजारों लोग शामिल हुए। दोनों नेताओं ने मेट्रो स्टेशन से शुरू होकर महानगरपालिका भवन तक मार्च निकाला।

उद्धव की शिवसेना यूबीटी और राज ठाकरे की मनसे पार्टी ने चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की है। राज ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र में हुए एसआईआर को रद्द किया जाए। सरकार किसकी बनेगी, ये फैसला जनता को तय करना है, चुनाव आयोग को नहीं। वहीं उद्धव बोले कि ज्ञानेश कुमार बीजेपी का हथियार हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ देश में पिछले तीन दिनों में दो शहरों में तीन बड़े प्रदर्शन हो चुके हैं। उसके अलावा अलग-अलग संगठन और पार्टियां भी विरोध मार्च निकाल चुकी हैं।

राज ठाकरे बोले- एसआईआर प्रक्रिया रद्द हो, हमारा किसी से व्यक्तिगत विरोध नहीं महाराष्ट्र में एसआईआर प्रक्रिया



रद्द की जाए: हमारी मांग है कि महाराष्ट्र में की गई पूरी एसआईआर प्रक्रिया रद्द की जाए। कानून के मुताबिक, एसआईआर किसी आपात स्थिति में की जाती है। विधानसभा चुनाव के दौरान 40 से 60 लाख मतदाताओं के नाम जोड़े गए और इसके जरिए सत्ता हासिल की गई। अब एसआईआर के जरिए 2 करोड़ लोगों को हटाया जा रहा है। ये 2 करोड़ मतदाता कौन हैं?

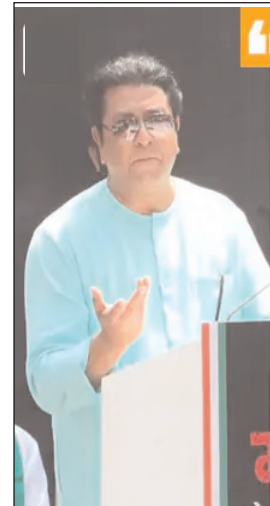
हमारी किसी से व्यक्तिगत नाराजगी नहीं है: हमारा किसी से व्यक्तिगत विरोध नहीं महाराष्ट्र में एसआईआर प्रक्रिया

इस्तेमाल किस तरह कर रहे हैं। सरकार कौन बनाएगा और सरकार कैसे चलेगी, इसका फैसला जनता और मतदाताओं को करना चाहिए। इसका फैसला चुनाव आयोग को नहीं करना चाहिए।

उद्धव की स्पीच, 2 बड़ी बातें: बोले- मेरा सवाल चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर है।

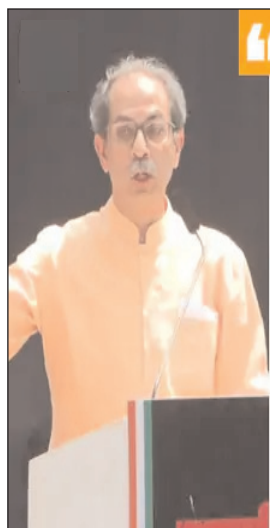
करोड़ों लोगों के नाम वोटर्स लिस्ट से हटाए गए: देशभर में 13 करोड़ लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। बंगाल और तमिलनाडु में भी मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। पश्चिम बंगाल में अभी

उपचुनाव हो रहा है और लोग अपने वोट देने के अधिकार की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं। सुप्रीम कोर्ट कहता है कि यह सिर्फ उपचुनाव है, इससे क्या फर्क पड़ता है? यह भी अभी तय नहीं है कि कल सुनवाई होगी या नहीं। चुनाव आयुक्त की नियुक्ति चुनाव से होनी चाहिए: चुनाव आयोग की नियुक्ति चुनाव के जरिए होनी चाहिए। पहले एक समिति होती थी, जिसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश, प्रधानमंत्री और विपक्ष के नेता शामिल होते थे। उन्होंने (केंद्र सरकार ने) इस समिति से मुख्य न्यायाधीश को हटा दिया।



जब भी कोई राजनीतिक दल सत्ता में होता है, आमतौर पर उसे जनता की प्रतिक्रिया का डर रहता है। लेकिन मौजूदा सत्तारूढ़ व्यवस्था को ऐसा कोई डर नहीं दिखता, न महाराष्ट्र में और न ही केंद्र में।

राज ठाकरे
मनसे प्रमुख



भाजपा को सरकार चलाना नहीं आता। जिस तरह से आप सरकार चला रहे हैं, वह शासन नहीं, बदले की राजनीति है। पहले 'इंडिया अगेंस्ट करप्शन' था और अब 'इंडिया अगेंस्ट वोट चोर्स' है।

उद्धव ठाकरे
शिवसेना यूबीटी प्रमुख

अब विचार नहीं, साझा हितों से बन रहे गठबंधन: जयशंकर



नई दिल्ली। नई दिल्ली में आयोजित म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिका-चीन मुकाबले पर कहा कि दुनिया 'गोल्डिलॉक्स सिनेरियो' में है, जहां हालात न ज्यादा गर्म हों न ज्यादा ठंडे। उन्होंने कहा कि उभरती और मध्यम ताकतों अब अपने विकल्प बढ़ाने और जोखिम कम करने पर फोकस कर रही हैं और हितों में सीधा टकराव न होने पर वे आपस में सहयोग को तैयार हैं, जिसका उदाहरण 'क्वाड' है।

जयशंकर ने कहा कि खासकर अमेरिका और चीन के बीच मुकाबले के संदर्भ में देखें, तो मुझे लगता है कि हम उस स्थिति की ओर देख रहे हैं जिसे अक्सर 'गोल्डिलॉक्स सिनेरियो' कहा जाता है। यानी आप नहीं चाहते कि हालात बहुत ज्यादा गर्म हों, न ही बहुत ज्यादा ठंडे। आप चाहते हैं कि स्थिति इन दोनों के बीच सही संतुलन में रहे तो ऐसे में उभरती हुई और मध्यम ताकत वाले देशों के लिए क्या स्थिति बनती है?

जयशंकर ने कहा कि मेरा मानना है कि आज इनमें से ज्यादातर देश तरह तरह से अपने विकल्प बढ़ाने और जोखिम कम करने पर ध्यान दे रहे हैं।

2023 में स्वीकृत सिंगल विलेज स्कीम आज तक अपूर्ण पाइप लाइन गायब, ठेकेदार अफसरों को पता ही नहीं चला

जगदलपुर ■ अर्जुन कुमार झा केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन बस्तर विकासखंड की ग्राम पंचायत कवि आसना में पूरी तरह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है। हर घर नल से जल का दावा 'सूखे' में डूब गया है। लोगों की प्यास बुझाने के लिए बनाई गई टंकी खुद प्यास से तड़प रही है। पाईप लाइन गायब हो गई हैं। योजना की आड़ में अफसरों और ठेकेदार के गले जरूर तर हो गए हैं।

ग्राम में कवि आसना में लगाया गया जल जीवन मिशन के कार्यो से संबंधित बोर्ड खुद इस घोटाले की गवाही दे रहा है। बोर्ड पर लिखा है - ग्राम कवि आसना, विकासखंड बस्तर, जिला बस्तर, योजना का नाम - सिंगल विलेज स्कीम, कार्यदेश क्रमांक- 1217, दिनांक- 20.03.2023, कार्य की लागत - 60.12 लाख, निर्माण एजेंसी - सूर्योदय कंस्ट्रक्शन एंड ट्रेडर्स, जगदलपुर, प्रस्तावित कार्य- 40 किलो लीटर क्षमता 12 एम स्टर स्टेजिंग ओवर हेड टैंक, 3762 मीटर पाइप लाइन, 174 एफएचटीसी कनेक्शन। 60.12



लाख रुपए कागजों में ही खर्च हो गए, लेकिन जमीन पर हकीकत शून्य है। बोर्ड दीवार के सहारे जमीन पर पड़ा धूल खा रहा है। 40 किलो लीटर की टंकी में आज तक पानी नहीं चढ़ पाया है। 3762 मीटर पाइपलाइन बिछाने का दावा सिर्फ कागजों में है। 174 घरों में कनेक्शन देना था, लेकिन एक भी घर में नल से जल नहीं पहुंचा।

फूटा ग्रामीणों का गुस्सा कवि आसना गांव की देवकी

बाई, सुकमन और ग्रामीणों ने कहा- हम 3 साल से सुनते आ रहे हैं कि हर घर में नल से जल आएगा। मगर आज तक हमें नल का एक बूंद भी पानी नसीब नहीं हुआ है। रोज 2 किमी दूर नदी और कुएं से पानी लाते हैं। बोर्ड पर 60 लाख लिखा देखकर लगता है पैसा कहाँ गया? बच्चों के स्कूल जाने से पहले पानी भरने जाना पड़ता है। महिलाओं का आधा दिन पानी ढोने में ही बीत जाता है।

अधिकारी क्यों हैं खामोश? निर्माण एजेंसी सूर्योदय कंस्ट्रक्शन ने 2023 में काम शुरू किया था, लेकिन काम अधूरा छोड़ दिया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी आंख मूंदे बैठे हैं। न जांच, न कार्रवाई।

बस्तर आदिवासी युवा जिला अध्यक्ष लखेश्वर कश्यप ने कहा कि बस्तर का शोषण बहुत किए अब नहीं सहा जाएगा। लखेश्वर कश्यप और ग्रामीणों ने कलेक्टर बस्तर और सीईओ जिला पंचायत से मांग की है कि 60.12 लाख के इस खेल की जांच हो और दोषी ठेकेदार और अधिकारी पर

उत्तराखंड से दिनेश आर्य और पश्चिम बंगाल से कोयल मल्लिक भाजपा के राज्यसभा उम्मीदवार



एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने उत्तराखंड में होने वाले राज्यसभा द्विवार्षिक चुनाव और पश्चिम बंगाल में होने वाले राज्यसभा उपचुनाव 2026 के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की है।

भाजपा ने उत्तराखंड से दिनेश आर्य और पश्चिम बंगाल से रुक्मिणी मल्लिक (कोयल मल्लिक) को उम्मीदवार बनाया है। दिनेश आर्य उत्तराखंड में राज्यस्तरीय पेयजल अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष (दर्जा

राज्यमंत्री), मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के जनसंपर्क अधिकारी, भाजपा के नैनीताल के पूर्व जिलाध्यक्ष और अनुसूचित मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री रह चुके हैं।

वहीं, रुक्मिणी मल्लिक अभिनेत्री और राजनेता हैं, जिन्हें पेशेवर तौर पर कोयल मल्लिक या सिर्फ कोयल के नाम से जाना जाता है। उन्हें मुख्य रूप से बंगाली फिल्मों में उनके काम के लिए जाना जाता है। रुक्मिणी मल्लिक टीएमसी से राज्यसभा सदस्य रह चुकी हैं।

तीसरे मोर्चे की कवायद तेज, लगभग 50 दलों की संयुक्त बैठक

संवाददाता ■ रायपुर

छत्तीसगढ़ में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर तीसरे मोर्चे के गठन की कवायद तेज हो गई है। इस सिलसिले में विभिन्न क्षेत्रीय दलों, सामाजिक संगठनों और राजनीतिक मोर्चों के प्रतिनिधियों की एक महत्वपूर्ण बैठक तेलीबांधा स्थित होटल बेबीलॉन कैपिटल में आयोजित की गई।

बैठक में तीसरे मोर्चे को एकजुट कर भाजपा और कांग्रेस से चुनाव मैदान में उतारने पर विस्तार से चर्चा हुई। उपस्थित नेताओं ने कहा कि छत्तीसगढ़ के जल, जंगल, जमीन, क्षेत्रीय अस्मिता और सामाजिक न्याय के मुद्दों को लेकर संयुक्त रणनीति बनाई जाएगी। बैठक में निम्न पार्टियों/संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए - बहुजन



समाज पार्टी प्रतिनिधि मंडल जौन प्रभारी खटकर, छत्तीसगढ़िया पार्टी - देवराज साहू, छत्तीसगढ़ स्वाभिमान मंच - पुरन लाल साहू, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी - मिथलेश कुमार, भीम आर्मी / आजाद समाज पार्टी - मनोज बंजारे जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ -

जितेन्द्र बंजारे, हमर राज पार्टी विनोद नागवंशी, बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा - नवनीत चांद, छत्तीसगढ़ महतारी पार्टी - विवेक पटेल, सूत्रों के अनुसार, जल्द ही दूसरे चरण की बैठक कर सीट बंटवारे और साझा घोषणापत्र पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की गार्डन्स बाय द बे के साथ महत्वपूर्ण चर्चा सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन के लीडरशिप डिनर में हुए शामिल

संवाददाता ■ रायपुर

रायपुर, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधिमंडल भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा नामांकन के उपरांत सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन द्वारा आयोजित प्रथम 'सिंगापुर-इंडिया नेटवर्क फॉर ग्रोथ फोरम 2026' में सहभागिता के लिए सिंगापुर प्रवास पर है।

सिंगापुर प्रवास के पहले दिन मुख्यमंत्री साय एवं छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधिमंडल ने विश्व प्रसिद्ध 'गार्डन्स बाय द बे' के जनरल मैनेजर, मास्टर प्लानिंग जेसन येओ तथा डायरेक्टर लिम चियाप सॉन्ग सहित संस्थान के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ औपचारिक बैठक की।

बैठक के दौरान छत्तीसगढ़ के



प्रतिनिधिमंडल को गार्डन्स बाय द बे की प्रबंधन से जुड़ी उत्कृष्ट कार्यप्रणालियों की मास्टर प्लानिंग, सतत डिजाइन और उद्यान जानकारी दी गई। दोनों पक्षों के बीच

उद्यानिकी, वनस्पति संरक्षण, शहरी हरियाली, ईको-टूरिज्म और क्षमता विकास के क्षेत्रों में संस्थागत सहयोग की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ समृद्ध वनों और जैव विविधता से परिपूर्ण प्रदेश है। गार्डन्स बाय द बे की विशेषज्ञता और अनुभवों का लाभ नवा रायपुर में बॉटैनिकल गार्डन के विकास के साथ ही प्रदेश के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर लैंडस्केपिंग और हरित क्षेत्रों के विस्तार में लिया जा सकता है। इससे छत्तीसगढ़ में पर्यटन की संभावनाओं को नया विस्तार मिलेगा, पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी और सैकड़ों लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।



केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने रायपुर में युवाओं को दिया हार न मानने का संदेश ‘रोलबोल यूथ कॉन्क्लेव 2026’ का हुआ भव्य समापन!

विश्व केसरी■
रायपुर। रायपुर में आयोजित ‘रोलबोल यूथ कॉन्क्लेव 2026’ एवं ‘रोलबोल टॉक्स’ का रविवार को मेकाहारा ऑडिटोरियम में भव्य समापन हुआ। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, सांसद बृजमोहन अग्रवाल और कैबिनेट मंत्री गुरुकुशवंत साहेब समेत देश की कई जानी-मानी हस्तियां शामिल हुईं।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने युवाओं को सही फैसले लेने



और मुश्किल परिस्थितियों में हार न मानने का संदेश दिया। साझा करते हुए युवाओं को अभिनेता दर्शन कुमार ने अपने संघर्ष और सफलता की कहानी साझा करते हुए युवाओं को मेहनत जारी रखने की सीख दी। वहीं राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञ आदित्य राज कौल ने एकजुटता और राष्ट्र निर्माण पर जोर दिया।

निलोन्स के दृष्ट दीपक संघवी ने युवाओं को अपने ‘हैमलेट फॉर्मूला’ के जरिए जीवन और बिजनेस में सोच-समझकर फैसले लेने की सीख दी। कार्यक्रम में संगीत, बिजनेस, सिनेमा और डिजिटल मीडिया से जुड़ी कई अन्य हस्तियों ने भी युवाओं को प्रेरित किया।

रोलबोल के संस्थापक दर्शन सांखला ने कहा कि संस्था का उद्देश्य युवाओं को सकारात्मक विचारों और प्रेरणादायी व्यक्तियों से जोड़कर उनकी क्षमता को पहचानने के लिए प्रेरित करना है।



आधा छेद किया गया और आरोपी ने पुलिस को बताया कि उन्होंने 29 सितंबर की रात दुकान बंद कर घर चले गए थे। अगले दिन सुबह करीब 10:30 बजे दुकान खोलने पहुंचे तो अंदर का सामान बिखरा मिला। दुकान की दाहिनी तरफ की दीवार की प्लाई गिरी हुई थी और सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर फरार हो गए। इसके बाद उन्होंने गुदियारी थाने में शिकायत दर्ज कराई।

247 उद्योगपतियों ने लिया प्लास्टिक कचरा प्रबंधन का संकल्प रायपुर में प्लास्ट विजन रोड शो का भव्य आयोजन

विश्व केसरी■
रायपुर। होटल कोर्टेयार्ड मैरियट, रायपुर में प्लास्ट विजन रोड शो का भव्य आयोजन किया गया। इसमें प्लास्ट विजन के चेयरमैन जयेश भाई, हर्षद देसाई एवं डॉ. महेंद्र परमार सहित छत्तीसगढ़ के 247 उद्योगपतियों ने सहभागिता की। सभी ने प्लास्टिक कचरे के उचित प्रबंधन एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया।

भाजपा प्रवक्ता अमित चिमनानी ने छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति की जानकारी दी। जयेश भाई ने प्लास्ट विजन की जानकारी और प्लास्टिक कचरे के उचित निपटान के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं, सीएफआई अध्यक्ष शंकर बजाज जी ने युवाओं से नई सोच, नवाचार एवं नए व्यवसायों के साथ उद्योग जगत में आगे आने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में कैट अध्यक्ष परमानंद जैन, विक्रम सिंहदेव, लव बंसल, रमेश पंजवानी, संतोष जैन, विजय हेमानी, अजय भसीन, जीवत बजाज, सन्नी जुमनानी,



राजेंद्र जगगी, मनोज जैन, कन्हैया गुप्ता, दिनेश पटेल सहित विभिन्न औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं अनेक उद्योगपति उपस्थित रहे। इस आयोजन ने उद्योग जगत में स्वच्छ पर्यावरण, जिम्मेदार प्लास्टिक कचरा प्रबंधन और सतत औद्योगिक विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की।

पहली बार एज-ग्रुप कैटेगरी में I-लीग मैच की करेगा मेज़बानी!

विश्व केसरी■
रायपुर। 5 अक्टूबर 2026 को रायपुर में रचा जाएगा इतिहास, जब यह शहर पहली बार एज-ग्रुप कैटेगरी में I-लीग मैच की मेज़बानी करेगा। सुबह 11:00 बजे, कोटा के स्वामी विवेकानंद स्टेडियम में AIFF एलीट लीग (यूथ I-League) – जो अंडर-18 प्रतियोगिता है – का आयोजन होगा और राज्य की राजधानी राष्ट्रीय फुटबॉल के नक्शे पर अपनी जगह बनाएगी।

यह मुकाबला छत्तीसगढ़ की दो बेहतरीन फुटबॉल अकादमियों के बीच है: रायपुर की ब्रह्मविद फुटबॉल अकादमी और नारायणपुर की RKM फुटबॉल अकादमी। दोनों टीमों में पूरे भारत से आए



टैलेंटेड खिलाड़ी हैं और दोनों ही टीमों में निडर होकर अटैकिंग फुटबॉल खेलने के लिए जानी जाती हैं। मैच की शुरुआत से लेकर आखिर तक तेज़ रफ़्तार, दबाव और गोल करने के मौकों से भरपूर खेल देखने को मिलेगा, क्योंकि कोई भी टीम पीछे हटने को तैयार नहीं होगी।

यह मैच यह भी दिखाता है कि छत्तीसगढ़ में फुटबॉल ने कितनी तरक्की की है। ब्रह्मविद FA

स्वच्छता ही सेवा अभियान-2026 एवं विशेष अभियान 6.0 के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन

विश्व केसरी■
रायपुर। भारत सरकार के खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग (DFPD) तथा भारतीय खाद्य निगम मुख्यालय के मार्गदर्शन में भारतीय खाद्य निगम, क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर द्वारा दिनांक 17 सितंबर से 02 अक्टूबर 2026 तक स्वच्छता ही सेवा अभियान-2026 के अंतर्गत विभिन्न स्वच्छता एवं जन-जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया।

अभियान के अंतर्गत कार्यालय परिसर में स्वच्छता शपथ तथा सफाई कर्मचारियों हेतु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। साथ ही, चिन्हित छद्म स्थलों पर स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सहभागिता से प्रश्नोत्तरी एवं निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त,



आंगनवाड़ी केंद्र में स्वच्छता ज्ञान यात्रा आयोजित कर स्वच्छता एवं स्वच्छ परिवेश के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। ‘एक पेड़ माँ के नाम’ पौधारोपण अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर दीपक शर्मा, महाप्रबंधक (क्षेत्र), संजीव कुमार भदानी, महाप्रबंधक (आंचलिक कार्यालय), उप

अभियान के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया।

इसके अतिरिक्त, विशेष अभियान 6.0 के अंतर्गत विभिन्न स्वच्छता स्थलों की पहचान की गई तथा ई-कचरे के समुचित निस्तारण हेतु अनुपयोगी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को चिह्नित किया गया। अभियान के कार्यान्वयन निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति तथा चिन्हित ई-अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों के लिए जाति प्रमाण-पत्र अपलोड करना ज़रूरी कर दिया गया है। उनका कहना है कि जन्म या शादी के बाद परिवार में जुड़े कई नए सदस्यों के पास जाति प्रमाण-पत्र नहीं होता। ऐसे में उनका नाम राशन कार्ड में नहीं जुड़ पा रहा है।

सत्यनारायण शर्मा ने लिखा सीएम को पत्र

विश्व केसरी■
रायपुर। पूर्व कैबिनेट मंत्री और रायपुर ग्रामीण के पूर्व विधायक सत्यनारायण शर्मा ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिख कर स्मार्ट पीडीएस को तुरंत बंद कर पुरानी व्यवस्था फिर से लागू करने की मांग की है।

पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा ने अपने पत्र में कहा है कि नए राशन कार्ड बनवाने और परिवार के सदस्यों के नाम जोड़ने के दौरान अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों के लिए जाति प्रमाण-पत्र अपलोड करना ज़रूरी कर दिया गया है। उनका कहना है कि जन्म या शादी के बाद परिवार में जुड़े कई नए सदस्यों के पास जाति प्रमाण-पत्र नहीं होता। ऐसे में उनका नाम राशन कार्ड में नहीं जुड़ पा रहा है।



गरबा पर वक्फ बोर्ड ने मुस्लिम युवाओं के लिए जारी किए निर्देश बजरंग दल ने गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर लगाई रोक

विश्व केसरी■
रायपुर। छत्तीसगढ़ में शारदीय नवरात्र के पवन अवसर पर होने वाले गरबा आयोजनों को लेकर राजनीति और सामाजिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। इस साल गरबा पंडालों में प्रवेश, सुरक्षा और धार्मिक मर्यादाओं को लेकर विभिन्न संगठनों की ओर से सख्त निर्देश और अपीलें सामने आ रही हैं।

छत्तीसगढ़ में शारदीय नवरात्र के पवन अवसर पर होने वाले गरबा आयोजनों को लेकर राजनीति और सामाजिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। इस साल गरबा पंडालों में प्रवेश, सुरक्षा और धार्मिक मर्यादाओं को लेकर विभिन्न संगठनों की ओर से सख्त निर्देश और अपीलें सामने आ रही हैं।



खास तौर पर वक्फ बोर्ड और बजरंग दल के बयानों और दिशा-निर्देशों के बाद यह मुद्दा राज्यभर में चर्चा का विषय बन गया है, जिससे आयोजनों की व्यवस्था पर भी असर पड़ता नजर आ रहा है।

वक्फ बोर्ड अध्यक्ष डॉ. सलीम राज की मुस्लिम युवाओं से अपील इस पूरे विवाद के बीच छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज ने मुस्लिम युवाओं के लिए एक विशेष अपील जारी की है। उन्होंने कहा कि गरबा मुख्य रूप से आस्था और धर्म से जुड़ा आयोजन है, जबकि इस्लाम में मूर्ति पूजा की अनुमति नहीं है। उन्होंने स्पष्ट शर्दों में कहा कि यदि मुस्लिम समाज की इसमें धार्मिक आस्था नहीं है और वे मूर्ति पूजा वा अन्य अनुष्ठानों में शामिल नहीं हो सकते, तो उन्हें गरबा पंडालों में जाने की आवश्यकता ही नहीं है।

भाजपा का सेवा संकल्प अभियान, प्रांतीय समीक्षा बैठक में मंथन सेवा और संकल्प की भावना से ओतप्रोत जन सेवा का अभियान है - किरण देव

विश्व केसरी■
रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय (कुशाभाऊ ठाकरे परिसर) में रविवार को ‘सेवा संकल्प अभियान’ की प्रांतीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में अभियान के तहत अब तक संपन्न हुए कार्यक्रमों की समीक्षा को सही दिशा और आगामी कार्यक्रमों को लेकर आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया।

आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम में प्रदेश में कीर्तिमान स्थापित किया गया :

किरण देव

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर भाजपा देशभर में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चला रही है। 17 सितंबर को ‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम के माध्यम से देश और प्रदेश की जनता ने प्रधानमंत्री मोदी को अपना स्नेह और आशीर्वाद प्रदान किया।



श्री देव ने कहा कि 17 सितंबर को प्रदेश में ‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम में कीर्तिमान स्थापित किया गया है, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और आमजनों की सहभागिता रही। यह कार्यक्रम सेवा, समर्पण और राष्ट्र के प्रति संकल्प का प्रतीक बना। सेवा संकल्प अभियान केवल एक कार्यक्रम

जनसेवा को हमेशा सर्वोपरि रखकर कार्य किया है। सिंह ने कहा कि हम सब एक ही पथ के पथिक हैं। भाजपा सत्ता में आकर समाज में परिवर्तन करती है और सेवा के माध्यम से लोगों तक पहुंचती है। कोरोना काल में जब पूरी दुनिया भयभीत थी, तब भाजपा कार्यकर्ताओं ने घर-घर पहुंचकर लोगों को आवश्यक सहायता प्रदान की थी। तैयारी को लेकर कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि सेवा, समर्पण और संगठन के बल पर हमें जन-जन तक पहुंचकर पार्टी को और अधिक मजबूत बनाना है।

भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्र के लिए समर्पित है : अजय जम्वाल

महाराष्ट्र के प्रदेश संगठन महामंत्री अजय जम्वाल ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से भाजपा समाज में मंथन का कार्य कर रही है। इस अभियान के जरिए लाखों परिवारों, युवाओं, महिलाओं एवं सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों से भाजपा कार्यकर्ता सतत संपर्क कर रहे हैं। संपूर्ण समाज में जन-जागरण का अभियान चल रहा है। सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2047 तक विकसित भारत का जो दिशा में यह अभियान भी एक महत्वपूर्ण पहल है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से हमें लाभार्थियों से संपर्क करना है और संगठन को लेकर कार्यकर्ता राष्ट्र के लिए समर्पित रहकर देश को विकसित बनाने के संकल्प के साथ कार्य कर रहा है।

भाजपा विचारधारा आधारित पार्टी है, जिसके करोड़ों कार्यकर्ता हैं : पवन साय

झारखंड के प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने कहा कि भाजपा विचारधारा आधारित पार्टी है, जिसके करोड़ों कार्यकर्ता हैं और यह जनसेवा को प्रभु सेवा मानकर कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं की पार्टी है।

न्यायालय एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी
करपावण्ड, जिला बस्तर (छ.ग.)

// उद्घोषणा //
रा.प्र.क्र. 2648 /ब-121/2025-26
इस उद्घोषणा के जरिये आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका कोदावाई पिता /पति स्व. खेलबंधु जाति सोनार ग्राम करपावण्ड तहसील करपावण्ड जिला बस्तर द्वारा आवेदक स्वयं अथवा अपने भाई स्व. हरिचन्द्र पिता दितबंधु निवासी ग्राम करपावण्ड तहसील करपावण्ड जिला बस्तर (छ.ग.) का मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्ति हेतु आवेदन रेष किया गया है।
अतः आवेदक / आवेदिका के भाई स्व. हरिचन्द्र पिता दितबंधु ग्राम करपावण्ड दिनांक 10/08/2024 को मृत्यु हुई है। आवेदक के भाई स्व. हरिचन्द्र पिता/पति दितबंधु जाति सोनार ग्राम करपावण्ड तहसील करपावण्ड जिला बस्तर आवेदक स्वयं अथवा आवेदक के भाई स्व. हरिचन्द्र जन्म प्रमाण पत्र /मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किये जाने पर यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा पेश करना हो तो वह स्वयं अथवा अपने अधिकृत अधिकता के मार्फत प्रकरण में निवृत्त पेशी दिनांक 12/10/2026 तक प्रस्तुत कर सकता है। निवृत्त पेशी तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं होगी।
आज दिनांक 22/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।
कार्यपालिक दण्डाधिकारी
करपावण्ड जिला बस्तर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(अनं ड - 9)
... पुलिस थाना के पास, डी.ओ.कोलेनी,
पोस्ट, रायपुर - 4
Email ID - rmczone9@gmail.com
फ़ोन नं.35618.... / न. पा. नि. /
जोन नं 9/2026
रायपुर, दिनांक 04-10-2026
इश्वरहा
नागरिक प्र.क्र. 35618
वाई का नाम - 9 - पं. मोतीलाल नेहरू वार्ड
एनद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 9 स्थित भवन / भूमि विस्का प्रॉपर्टी आई. डी. RPR226V0938A जो की निगम अधिलेख श्री / श्रीमती PUJA AGRAWAL पिता / पति श्री/श्रीमती ROHIT AGRAWAL के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्रीमती अंजलि अस्सानी पिता / पति श्री/श्रीमती पति संदीप अस्सानी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, दिवंगतनामा, राजस्त्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में एक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / जस्तुत करे 7 निर्धारित समयवधि परचात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे।
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

वन परिक्षेत्र में करंट तार का जाल, अधिकारी नहीं दे सके संतोषजनक जवाब

विश्व केसरी■
भटगांव (रामदास कुरै)। सारंगढ़-बिलाईगढ़ वन मंडल के बिलाईगढ़ वन परिक्षेत्र अंतर्गत भटगांव बीट से वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर बेहद गंभीर मामला सामने आया है। जंगल के भीतर कथित रूप से वन्यजीवों के शिकार के लिए करंट का तार बिछाए जाने की तस्वीरें और वीडियो सामने आए हैं।

मामले की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि आधी रात मीडिया टीम जंगल के अंदर पहुंची और मौके पर बिछे खतरनाक करंट के तार को हटाकर अपने साथ लाई। बाद में इस तार को वन विभाग के कार्यालय पहुंचकर वन परिक्षेत्र अधिकारी माखनलाल बंजारे की टेबल पर जमा किया गया, ताकि मामले में मौके से मिले साक्ष्य के आधार पर जांच हो सके। लेकिन यहां से कहानी और भी गंभीर हो जाती है।

जब मीडिया ने वन परिक्षेत्र अधिकारी माखनलाल बंजारे से सीधे सवाल किया कि जंगल के भीतर ऐसा करंट का तार कैसे

पहुंचा और यदि यह शिकार के लिए इस्तेमाल किया जा सकता था तो विभाग की गश्ती व्यवस्था को इसकी जानकारी क्यों नहीं हुई ?—



तो अधिकारी की ओर से सवालों का स्पष्ट और संतोषजनक जवाब सामने नहीं आया।

बताया जा रहा है कि बातचीत के दौरान अधिकारी करंट के तार से शिकार होने की संभावना पर ही सवाल उठाते हुए मीडिया को जवाब देते नजर आए। मीडिया ने जब मौके पर मिले तार को उनके सामने रखते हुए सवाल किए, तो जवाब देने के दौरान अधिकारी की

स्थिति ऐसी रही कि कई सवालों पर स्पष्ट उत्तर नहीं दिया जा सका।

अब सवाल यह है कि—
अगर यह तार शिकार के लिए

गश्ती दल की मॉनिटरिंग कौन कर रहा था ?

और वन परिक्षेत्र अधिकारी माखनलाल बंजारे तक इसकी

निगरानी व्यवस्था पर
करंट का जाल यदि वास्तव में वन्यजीवों के शिकार के लिए बिछाया गया था, तो मामला बेहद गंभीर है। क्योंकि ऐसा तार केवल वन्यजीवों के लिए ही नहीं, बल्कि जंगल में जाने वाले ग्रामीणों, मवेशियों और गश्ती कर्मचारियों के लिए भी जानलेवा खतरा बन सकता है।

वन्यजीव संरक्षण कानून के तहत संरक्षित वन्यजीवों के अवैध शिकार पर कार्रवाई का प्रावधान है। ऐसे में विभाग को यह स्पष्ट करना होगा कि तार किसने लगाया, उसका उद्देश्य क्या था और जंगल की सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद यह गतिविधि विभाग की नजर से कैसे बची।

रेंजर के जवाब पर भी उठे सवाल
मामले में सबसे बड़ा सवाल अब केवल कथित शिकारी की तलाश का नहीं है। वन परिक्षेत्र अधिकारी माखनलाल बंजारे की निगरानी व्यवस्था और उनके द्वारा दिए जा रहे जवाब भी जांच के दायरे में आने चाहिए।

सांकरा-जैतपुरी सड़क की स्वीकृति पर कांग्रेस ने सवाल

विश्व केसरी■
नगरी (हिमांशु यादव)। सांकरा-घटुला-बेलरगांव-जैतपुरी मार्ग तथा नगरी-सिहावा मार्ग के उन्नयन एवं फोरलेन संबंधी स्वीकृति के बाद अब राजनीतिक श्रेय के साथ-साथ इस पूरी प्रशासनिक प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। नगरी ब्लॉक कांग्रेस कमेट्री अध्यक्ष अनवर राजा एवं बेलरगांव ब्लॉक कांग्रेस कमेट्री अध्यक्ष राजू सोमानी ने कहा कि जनता के सामने यह स्पष्ट होना चाहिए कि इस सड़क की मांग सबसे पहले कब उठाई गई, किस जनप्रतिनिधि ने शासन को पत्र लिखा, विभागीय स्तर पर प्रस्ताव कब भेजा गया और वित्त विभाग तक मामला किस प्रक्रिया से पहुंचा। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि



सिहावा विधायक अविका मरकाम लंबे समय से क्षेत्र की सड़क संबंधी समस्याओं को प्राथमिकता के साथ शासन-प्रशासन के समक्ष उठाती रही हैं। विधायक के माध्यम से क्षेत्र की विभिन्न मांगों को लेकर पत्राचार, अधिकारियों से चर्चा तथा शासन स्तर पर लगातार फॉलोअप किया जाता है। ऐसे में अब स्वीकृति के अंतिम चरण में हुई राजनीतिक मुलाकात को ही पूरी प्रक्रिया का आधार बताकर श्रेय लेना उचित नहीं

संबंध में किए गए पत्राचार और मांगों का विवरण सार्वजनिक करने के लिए तैयार है। इससे जनता के सामने यह स्पष्ट हो सकेगा कि सड़क की मांग किसने कब उठाई और प्रशासनिक प्रक्रिया किस स्तर तक पहले ही आगे बढ़ चुकी थी।

विधायक का पद केवल उद्घाटन या मुलाकात तक सीमित नहीं
कांग्रेस नेताओं ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र का निर्वाचित विधायक अपने क्षेत्र की जनता की समस्याओं को विधानसभा, शासन और प्रशासन तक पहुंचाने वाला प्रमुख जनप्रतिनिधि होता है। सड़क, पुल-पुलिया, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य मूलभूत सुविधाओं के लिए विधायक द्वारा संबंधित विभागों को पत्राचार करना और शासन के समक्ष मांग रखना उसकी जनप्रतिनिधिक भूमिका का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि विधायक अविका मरकाम इसी जिम्मेदारी के तहत लगातार सिहावा विधानसभा क्षेत्र की विकास योजनाओं को शासन के समक्ष रखती रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ भाजपा नेता अब विधायक द्वारा लगातार उठाए गए मुद्दों को अपनी राजनीतिक उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत कर क्षेत्र की जनता के बीच भ्रम की स्थिति पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं।

राजस्व मंत्री ने जिला स्तरीय रंगोली व भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को किया पुरस्कृत

विश्व केसरी■
बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत चित्र सेवा कार्यक्रम के तहत जिला स्तरीय चित्रकला, भाषण एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन शनिवार को वर्धमान स्कूल बलौदाबाजार में किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राजस्व मंत्री वर्मा ने कहा कि 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है जिसमें अनेक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। चित्र सेवा कार्यक्रम अंतर्गत छात्रों ने बहुत



सुंदर रंगोली बनाकर विकसित भारत का तस्वीर बनाया है। उन्होंने कहा कि इतिहास बनाने में कड़ी मेहनत और परिश्रम लगता है। आज मेहनत करेंगे तो कल भविष्य उज्जवल होगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन एक पाठशाला

है जिससे सीख लेकर जीवन में आगे बढ़ सकते हैं।

उन्होंने हर आयु वर्ग के लिये योजना लागू किया है इसी तरह छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश को विकसित राज्य बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

विश्व केसरी■
बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। पंडित चक्रपाणी शुक्ल हार्ड स्कूल मैदान में 3 से 6 अक्टूबर तक चार दिवसीय 26 वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शनिवार को भव्य शुभारंभ हुआ। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने ध्वजोत्तोलन एवं रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने प्रतियोगिता उद्घाटन की घोषणा की।

स्पर्धा में रायपुर, दुर्ग, बस्तर, बिलासपुर एवं सरगुजा पाँचों संभागों के 480 खिलाड़ी कुराश, रग्बी एवं नेटबाल में दमखम दिखाएंगे। कुराश में आयु वर्ग 14, 17, 19 बालक एवं बालिका, रग्बी आयु वर्ग 14 बालक एवं बालिका व नेटबॉल आयु वर्ग 19 बालक एवं बालिका की प्रतियोगिता संपन्न होगी। प्रतियोगिता में राज्य के पाँच संभागों से 240 बालक, 240 बालिका एवं 100 आफिशियल कुल 580 प्रतिभागी शामिल होंगे। खेल का आयोजन कुराश के लिए नगर



भवन बलौदाबाजार, नेटबॉल के लिए जिला स्टेडियम(लॉन टेनिस मैदान) बलौदाबाजार, रग्बी के लिए पण्डित चक्रपाणि शुक्ल सेजेस हिन्दी माध्यम बलौदाबाजार में रखा गया है।

उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथिय राजस्व मंत्री ने सभी प्रतिभागियों एवं अतिथियों का बलौदाबाजार की धरती पर स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल में जीत-हार खेल के दो पहलू हैं। जीतने वाला खिलाड़ी आगे खेल के लिये बढ़ जाता है वहीं हारने वाले के लिए कमियों को दूर करने का अवसर देता है। सभी खिलाड़ी खेल एवं टीम भावना से खेलें।

महर्षि अष्टावक्र जयंती पर रक्तदाताओं, दिव्यांगजनों एवं समाजसेवियों का सम्मान



विश्व केसरी■
बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। महर्षि अष्टावक्र जयंती के पावन अवसर पर 4 से अधिक ग्रामीणों एवं समाजसेवियों की में सक्षम ज़िला इकाई बलौदा बाजार, रक्तदाता समूह एवं श्रीगुरुजी सेवा समिति के सहयोग से सम्मान समारोह एवं निःशुल्क के सहयोग से सम्मान समारोह एवं निःशुल्क सुविधा प्रदान की गई। साथ ही दिव्यांगजनों से संवाद कर उनकी समस्याओं को जाना गया तथा उनके समाधान एवं अधिकारों के संबंध में चर्चा की गई।

अंतरजिला वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश

विश्व केसरी■
कसडोल (प्रवीण ढोमने)। पुलिस अधीक्षक बलौदाबाजार-भाटपारा गौरव राय (भा.पु.से.) के कुशल निर्देशन, में जिले में चोरी व नकबजनी की घटनाओं पर अंकुश लगाने तथा संपत्ति संबंधी अपराधों के आरोपियों की धरपकड़ हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना कसडोल एवं साइबर सेल की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा त्वरित व प्रभावी कार्यवाही करते हुए अंतरजिला बाइक चोर गिरोह के 02 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की 06 नग दुपहिया वाहन बरामद करने में सफलता प्राप्त की है।

प्राथ्मी चैतुसिंग पैकार पिता समार सिंह पैकार उम्र 54 वर्ष, निवासी अर्जुनी, द्वारा थाना कसडोल आकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि 19 मार्च 2026 की रात करीब 12.00 बजे उन्होंने अपनी मोटरसाइकिल (क्र. CG 04 CW 8512) घर के सामने खड़ी



की थी, जिसे किसी अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर लिया गया है। प्राथ्मी की रिपोर्ट पर थाना कसडोल में अपराध पंजीकृत कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस की त्वरित कार्यवाही एवं हैदराबाद से गिरफ्तारी:- प्रकरण की विवेचना के दौरान कसडोल पुलिस एवं साइबर सेल की संयुक्त टीम द्वारा तकनीकी विश्लेषण व मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। विवेचना के दौरान जानकारी मिली कि घटना का मुख्य आरोपी खगेश उर्फ चांटी वारदात के बाद फरार होकर हैदराबाद

(तेलंगाना) में छिपा हुआ है। साइबर सेल की मदद से पुलिस टीम द्वारा मुख्य आरोपी को हैदराबाद से घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया। आरोपी खगेश कुमार निर्मलकर उर्फ चांटी तथा उसके साथी यश कुमार साहू को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ करने व मेमोरेंडम कथन लेने पर आरोपी ने अपने एक अन्य फरार साथी के साथ मिलकर अर्जुनी के अलावा बस स्टैंड भाटगांव (रायपुर), महासमुंद बस स्टैंड, धरसीबां, गिंधारी बस स्टैंड एवं मेंऊ भांटा (पामागढ़) से कुल 06 दुपहिया वाहन चोरी करना स्वीकार किया।

वार्ड 14 में सीसी रोड निर्माण का भूमिपूजन लगातार जारी है विकास कार्य

विश्व केसरी■
छुरा (मानसिंह निषाद)। नगर पंचायत छुरा के वार्ड क्रमांक 14 में सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। नगर में लगातार जारी विकास कार्यों की कड़ी में यह कार्य वार्डवासियों के लिए महत्वपूर्ण सीगात माना जा रहा है। सीसी रोड निर्माण से वार्ड में आवागमन की सुविधा बेहतर होगी और



भूमिपूजन कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लुक्खरी निषाद, जिला महामंत्री भाजपा ओबीसी मोर्चा थानसिंग निषाद, वार्ड पार्षद एवं सभापति गरिमा ध्रुव, सभापति बलराज पटेल, सभापति रजनी लहरे, एल्डरमैन सफर सचदेव एवं धर्मेन्द्र चंद्रकार, अध्यक्ष प्रतिनिधि कंचन सिन्हा, कुमारी निषाद, भाजपा नेता भवानी शंकर सेन एवं

निखिल साहू सहित बड़ी संख्या में मोहल्लेवासी उपस्थित रहे। नगर पंचायत अध्यक्ष लुक्खरी निषाद ने कहा कि नगर के सभी वार्डों में आवश्यकतानुसार विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करना और नागरिकों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना नगर पंचायत की प्राथमिकता है। नगर में लगातार हो रहे विकास कार्यों से छुरा के विकास को नई गति मिल रही है।

शराब कोचिया गिरफ्तार



विश्व केसरी■
कसडोल (प्रवीण ढोमने)। थाना कसडोल की पुलिस टीम द्वारा कोट रोड कसडोल के पास घेराबंदी कर अवैध रूप से बिक्री करने के लिए शराब ले जाते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को गिरफ्तार करते हुए शराब कोचिया से कुल 4200 कीमत मूल्य का 30 पाव देशी/अंग्रेजी शराब तथा अवैध रूप

से शराब परिवहन में प्रयुक्त मोटरसाइकिल क्र. CG04 HS 3221 जप्त किया गया है। आरोपी के विरुद्ध थाना कसडोल में धारा 34(2) आबकारी के तहत अपराध क्र. 371/2026 पंजीबध्द कर आरोपी को गिरफ्तार करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की गई है। प्रकरण विवेचना में है।

22 बंदरों की मौत का वायरल वीडियो गुमराह करने वाला, मौके पर मिले सिर्फ दो कंकाल

विश्व केसरी■
दाढ़ी (अनिल त्रिपाठी)। दाढ़ी थाना क्षेत्र के ग्राम देवगांव में 22 बंदरों को मारने संबंधी सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो की जांच में अब तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है। वन विभाग की टीम को मौके पर केवल दो बंदरों के कंकाल मिले हैं। वहीं, वीडियो में दिखाई दे रहे घटनास्थल और सूचना देने वाले ग्रामीण जगदीश मानिकपुरी के बताए स्थानों का निरीक्षण करने पर अन्य बंदरों के अवशेष नहीं मिले। बंदरों की मौत कैसे हुई, यह भी स्पष्ट नहीं हो पाया है। वन विभाग ने फिलहाल बंदरों को गोली मारकर हत्या किए जाने की पुष्टि नहीं की है। मामले में गांव के लोगों से पूछताछ के साथ जांच जारी है।

ग्राम देवगांव में 22 बंदरों की मौत से संबंधित वीडियो सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों पर



प्रसारित होने के बाद वन विभाग हरकत में आया। सूचना मिलने पर बेमेतरा की फॉरेस्ट एसडीओ माधुरी तिवारी के निर्देश पर रेंज अधिकारी के नेतृत्व में टीम गांव पहुंची। टीम ने मौके का निरीक्षण किया और वायरल वीडियो से जुड़े तथ्यों की पड़ताल शुरू की। जांच के दौरान खेत-खलिहानों में बंदरों के मृत शरीर और अन्य अवशेष

तलाशे गए, लेकिन टीम को केवल दो बंदरों के कंकाल ही मिले। इनकी मौत का कारण भी अभी अज्ञात है।

सूचना देने वाले ग्रामीण के बताए स्थानों पर भी तलाश - वन विभाग की टीम ने मामले की जानकारी देने वाले जगदीश मानिकपुरी से भी पूछताछ की। जगदीश ने अधिकारियों को बताया



कि उसने 26 सितंबर को करीब आठ बंदरों को नदी में बहते हुए देखा था। इसके बाद टीम ने उसके बताए स्थानों का निरीक्षण किया, लेकिन वहां बंदरों के अवशेष नहीं मिले। जगदीश के दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। न ही ग्रामीणों ने नदी में आठ बंदरों के बहने की घटना की पुष्टि की है। ऐसे में बंदरों की मौत की संख्या

और घटना के वास्तविक कारण को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है।

वन विभाग के सामने अब वायरल वीडियो में किए गए दावे और मौके पर मिले साक्ष्यों के बीच अंतर की जांच करना चुनौती है। वीडियो में 22 बंदरों की मौत की बात कही गई थी, लेकिन मौके पर इतनी बड़ी संख्या में बंदरों के मृत शरीर या

कंकाल नहीं मिले। विभाग यह पता लगाने में जुटा है कि वीडियो में दिखाई गई घटना वास्तव में कहां और कब की है तथा उसका ग्राम देवगांव से क्या संबंध है।

फसल बचाने के लिए बंदर रखवार रखा है गांव ने - गांव में फसलों को बंदरों से बचाने के लिए कलम पारधी को बंदर रखवार के रूप में काम पर रखा गया है। उसका कंकाल मिले हैं, जिनकी मृत्यु का कारण अज्ञात है। सूचना देने वाले जगदीश मानिकपुरी के बताए स्थानों पर भी टीम ने जांच की, लेकिन वहां बंदरों के अवशेष नहीं मिले। उन्होंने बताया कि जगदीश ने 26 सितंबर को करीब आठ बंदरों को नदी में बहते हुए देखने की जानकारी दी है, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ग्रामीणों से भी पूछताछ की जा रही है। वन विभाग की टीम पूरे घटनाक्रम की सघन जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद ही बंदरों की मौत के कारण और वायरल वीडियो की वास्तविकता स्पष्ट हो सकेगी।

वन विभाग बोला- जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी स्थिति

फॉरेस्ट एसडीओ माधुरी तिवारी ने बताया कि सोशल मीडिया पर ग्राम देवगांव में 22 बंदरों की मृत्यु संबंधी वीडियो प्रसारित होने की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग की टीम ने मौके का निरीक्षण किया। उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जांच की गई, लेकिन वायरल वीडियो में किए गए दावे की पुष्टि नहीं हुई है। मौके पर दो बंदरों के कंकाल मिले हैं, जिनकी मृत्यु का कारण अज्ञात है। सूचना देने वाले जगदीश मानिकपुरी के बताए स्थानों पर भी टीम ने जांच की, लेकिन वहां बंदरों के अवशेष नहीं मिले। उन्होंने बताया कि जगदीश ने 26 सितंबर को करीब आठ बंदरों को नदी में बहते हुए देखने की जानकारी दी है, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ग्रामीणों से भी पूछताछ की जा रही है। वन विभाग की टीम पूरे घटनाक्रम की सघन जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद ही बंदरों की मौत के कारण और वायरल वीडियो की वास्तविकता स्पष्ट हो सकेगी।

संपादकीय

संकट के बादलों में साहस की उड़ान



वसुंधरा धर्माणी

आसमान को देखकर हम अक्सर खुलेपन, आज़ादी और ऊँचे सपनों की कल्पना करते हैं। धरती से हजारों फीट पर उड़ता विमान हमें विज्ञान की प्रगति और मनुष्य की अद्भुत क्षमताओं का एहसास कराता है, लेकिन क्या हो, जब यही खुला आसमान अचानक संकट का साक्षी बन जाए? जब सैकड़ों जिंदगियों की सुरक्षा एक कठिन परिस्थिति और कुछ क्षणों में लिए जाने वाले निर्णय पर निर्भर हो जाए? ऐसे समय में व्यक्ति की असली शक्ति

उसके पद या प्रतिष्ठा से नहीं, बल्कि उसके साहस, अनुभव और कर्तव्य के प्रति समर्पण से पहचानी जाती है।

कसान स्मित मच्छर से जुड़ी विमान घटना इसी मानवीय साहस और जिम्मेदारी की ओर हमारा ध्यान आकर्षित करती है। 1 अक्टूबर 2026 में दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान से जुड़ी एक गंभीर घटना की खबर सामने आई। समाचार रिपोर्टों के अनुसार, उड़ान के दौरान कॉकपिट में हिंसा घटनाक्रम हुआ, जिसमें सह पायलट ने विमान के पायलट कसान स्मित मच्छर पर बर्बरता पूर्ण हमला कर दिया और वे घायल हो गए। ऐसे समय में विमान की सुरक्षा को लेकर चिंताजनक स्थिति पैदा हो गई। कल्पना कीजिए, विमान में बैठे यात्री अपनी मौजिल तक पहुंचने के सपने सँजोए हुए हैं। किसी को अपने परिवार से मिलना है, कोई काम के सिलसिले में यात्रा कर रहा है, तो कोई अपने प्रियजनों के पास लौटने के लिए उत्सुक है। किसी को अंदाज़ा भी नहीं कि कॉकपिट में उत्पन्न संकट उनकी यात्रा को एक भयावह मोड़ दे सकता है। ऐसी परिस्थिति में पायलट के सामने केवल विमान उड़ाने की चुनौती नहीं थी, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा ,उपलब्ध विकल्पों का आकलन और उचित निर्णय लेने की जिम्मेदारी भी थी। उस समय धैर्य और प्रशिक्षण

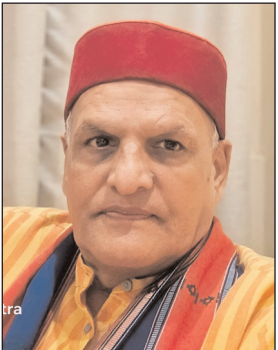


का महत्व कई गुना बढ़ जाता है।

कसान स्मित मच्छर को सह पायलट के हमले में गंभीर चोटें आईं। वह घायल अवस्था में नीचे गिर गए थे। विमान तेजी से नीचे की ओर जा रहा था। ऐसे क्षण में जब उन्हें स्वयं अपनी जान बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा था, उनके सामने विमान में सवार लोगों की सुरक्षा का भी दायित्व था। उन्होंने घायल अवस्था में ही कॉकपिट का दरवाज़ा खोला, जिससे यात्रियों को खतरे का अंदेशा हुआ और यात्रियों के सहयोग से बहुत बड़ी घटना घटने से टल गई।

प्रधानमंत्री के साथ बातचीत में कसान स्मित ने बताया कि संकट के दौरान वे हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे थे। उन्होंने अपनी आस्था को उस कठिन समय में साहस का स्रोत बताया। मनुष्य के जीवन में आस्था, विश्वास और सकारात्मक सोच का अपना महत्व होता है। ये कठिन परिस्थितियों में जीवन को संबल देते हैं, लेकिन विश्वास के साथ विवेक, प्रशिक्षण और कर्म का जोड़ना भी आवश्यक है। कसान स्मित के अनुभव में आस्था और कर्म का यह मेल दिखाई देता है। उन्होंने अपने विश्वास से शक्ति प्राप्त की और साथ ही स्थिति का सामना करने का प्रयास भी किया, जिससे आज सैकड़ों जिंदगियाँ अपने घरों में सुरक्षित पहुंच पाई हैं। यह हमें सिखाता है कि उम्मीद रखना महत्वपूर्ण है, लेकिन उम्मीद को सार्थक बनाने के लिए अपने स्तर पर प्रयास करना भी उतना ही आवश्यक है।

बदलते दौर में विवादग्रस्त होते आश्रम



गिरिश पंकज

भारत को संतों, ऋषियों और मुनियों की भूमि कहा जाता है। सदियों से यहाँ की संस्कृति का मूल आधार अध्यात्म, त्याग, वैराग्य और लोक-कल्याण रहा है। आदिकाल से लेकर आधुनिक युग तक, आश्रम केवल पूजा-पाठ या धार्मिक कर्मकांड के स्थान नहीं रहे, बल्कि वे ज्ञान, शिक्षा, चरित्र निर्माण और मानसिक शांति के प्रमुख केंद्र रहे हैं। त्रेता और द्वापर युग से लेकर आधुनिक काल तक, महर्षि वाल्मीकि, महर्षि वेद व्यास, गुरु रविनाथ, स्वामी विवेकानंद और महर्षि रमण जैसे संतों के आश्रमों ने समाज को एक नई दिशा दी। इन स्थानों से वैचारिक चेतना और नैतिक मूल्यों की गंगा प्रवाहित होती थी, जहाँ राजा और रंक दोनों ही समान भाव से शांति की तलाश में पहुंचते थे। किंतु, समय के चक्र के साथ इस पवित्र परंपरा में एक गहरा और चिंताजनक बदलाव आया है। आज स्थिति यह है कि अनेक आश्रम और तथाकथित संत अपनी मूल आध्यात्मिक धारा से भटक चुके हैं। अध्यात्म के ये केंद्र अब धीरे-धीरे विवादों, घोटालों, अपराधों और असामाजिक गतिविधियों के अड्डे बनते जा रहे हैं। आए दिन मोडिया की सुर्खियों में ऐसे मामले सामने आते हैं जहाँ आश्रमों की चारदीवारी के भीतर से हत्या, यौन शोषण, अवैध कब्जा, हथियारों की

तस्करी और वित्तीय घपलों की दास्तानें बाहर आती हैं। देश के विभिन्न कोनों में कई ‘संत’ आज कानून के शिकंजे में हैं और जेल की सलाखों के पीछे अपनी सजा काट रहे हैं। यह स्थिति न केवल धार्मिक आस्था रखने वाले आम जनमानस के लिए आघातजनक है, बल्कि यह पूरे संत समाज और भारतीय सांस्कृतिक साख पर एक गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती है।

इस विडंबना के मूल में आश्रमों के स्वरूप और उसकी कार्यप्रणाली में आया भारी बदलाव है। कभी संतों की पहचान सादगी, कम से कम संसाधनों में जीवन-यापन और एकांत में साधना से होती थी। उनका जीवन समाज के लिए एक आदर्श प्रस्तुत करता था। लेकिन आज के दौर में अधिकांश बड़े आश्रम किसी भव्य कॉर्पोरेट साम्राज्य या फाइव-स्टार रिसॉर्ट की तरह नजर आते हैं। इन आश्रमों के विस्तार के पीछे अकूत धन, कॉरपोरेट जैसी कार्यशैली और प्रचार तंत्र की बड़ी भूमिका है। अनुयायियों की संख्या और चंदे के रूप में मिलने वाले करोड़ों रुपयों ने इन संस्थानों को सत्ता और प्रभाव का केंद्र बना दिया है। जब धर्म और आध्यात्मिकता का यह व्यावसायिकरण होता है, तो वहां अहंकार, लालच और भोग-विलासिता का प्रवेश स्वाभाविक हो जाता है। भोग और विभव को इस अंधी दौड़ ने त्याग और तपस्या के उस मूल उद्देश्य को पीछे धकेल दिया है, जिसके लिए आश्रम जाने जाते थे। कई तथाकथित बाबाओं और संतों के पास आलीशान गाड़ियाँ, निजी सुरक्षा गार्ड, हेलीकॉप्टर और अकूत संपत्तियां हैं। जब किसी व्यक्ति के पास असंमित अधिकार और धन आ जाता है, और उस पर किसी प्रकार का वैधानिक या नैतिक नियंत्रण नहीं

रहता, तो उसके पतन की संभावना उतनी ही बढ़ जाती है।

भारतीय समाज में आज भी एक बड़ा वर्ग ऐसा है जो अपनी समस्याओं, दुखों और भविष्य की अनिश्चितताओं से उबरने के लिए चमत्कार और आसान समाधानों की तलाश में रहता है। इसी कमजोरी का फायदा उठाकर कुछ लोग ढोंग और पाखंड की दुकान चलाते हैं। वे खुद को भगवान का अवतार या सीधा संदेशवाहक घोषित कर देते हैं। इन आश्रमों में आने वाले भक्त अक्सर



अंधभक्ति के दौर से गुजरते हैं। वे बाबा या संत के हर कहे को अंतिम सत्य मान लेते हैं, चाहे वह तर्क या कानून की कसौटी पर कितना भी गलत क्यों न हो। इस प्रकार की अंधभक्ति एक ऐसा वातावरण तैयार करती है जहाँ अपराधी प्रवृत्ति के संत अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके भक्तों का मानसिक, शारीरिक और आर्थिक शोषण करने में सफल हो जाते हैं। यौन शोषण के कई मामले ऐसे सामने आए हैं जहाँ पोड़िताओं को यह कहकर डराया गया या बरगलایा गया कि यह सब उनकी मुक्ति या किसी विशेष साधना का हिस्सा है। इसी तरह, आर्थिक ढगी के मामलों में भक्तों की गाढ़ी कमाई को अध्विश्वास के सहारे हड़प लिया जाता है। जब कोई भक्त या अंदरूनी

व्यक्ति इस व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाने की कोशिश करता है, तो उसे डराया-धमकाया जाता है, और कई बार उसे रास्ते से हटाने के लिए हत्या जैसे जघन्य अपराधों को भी अंजाम दिया जाता है। संतों और आश्रमों के संदिग्ध होने के पीछे एक अन्य बड़ा कारण राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों से मिलने वाला संरक्षण है। आज के दौर में कई बाबाओं और संतों के संबंध देश के ताकतवर राजनेताओं, उद्योगपतियों और नौकरशाहों से गहरे होते हैं।

चुनाव के समय वोट बैंक की राजनीति और सत्ता प्राप्ति के लिए इन बाबाओं के मंचों का खुलकर इस्तेमाल किया जाता है। इसके बदले में राजनेता और प्रशासन इन आश्रमों में होने वाली अवैध गतिविधियों पर आंखें मूंद लेते हैं। यदि कोई आश्रम अवैध धरमीन पर कब्जा करके बनाया गया हो, या वहां वित्तीय अनियमितताएँ चल रही हों, तो राजनीतिक दबाव के कारण पुलिस और स्थानीय प्रशासन तुरंत कार्रवाई करने से बचता है। यह मौन समर्थन अपराधियों के हौसले को और बलुद करता है। वे कानून से ऊपर समझने लगते हैं और बेखौफ होकर अपनी आपराधिक गतिविधियों को जारी रखते हैं। जब तक कानून का भय समाप्त हो जाता है, तब तक संस्थाएँ

एशियाई खेलों में भारत का दमदार प्रदर्शन



महेन्द्र तिवारी

जापान के आइची और नागोया में आयोजित 2026 के एशियाई खेल भारत के लिए अनेक उपलब्धियों और यादगार क्षणों से भरे रहे। भारतीय खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता के अंतिम चरण में जिस तरह शानदार प्रदर्शन करते हुए पदकों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी की, उसने पूरे देश को उत्साह और गर्व से भर दिया। भारत ने इन खेलों का समापन 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य सहित कुल 85 पदकों के साथ किया और पदक तालिका में चौथा स्थान प्राप्त किया।

85 पदकों का आंकड़ा अपने आप में महत्वपूर्ण है। हालांकि

भारत 2023 के हांगझोउ एशियाई खेलों में प्राप्त 106 पदकों के रिकॉर्ड को दोहरा नहीं सका, लेकिन 2026 में मिले 21 स्वर्ण पदक भारतीय खेल इतिहास में उल्लेखनीय उपलब्धि हैं। प्रतियोगिता के अंतिम दिन भारत ने जिस प्रकार लगातार स्वर्ण पदक जीते, उससे ऐसा लगा कि भारतीय दल ने अंतिम क्षण तक अपनी पूरी क्षमता का प्रदर्शन करने का संकल्प ले रखा था। अंतिम दिन ही क्रिकेट, हॉकी, कुश्ती, तीरंदाजी और गोल्फ में भारत ने स्वर्ण पदक हासिल किए।

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम का पाकिस्तान के विरुद्ध स्वर्ण पदक मुकाबला इन खेलों का सबसे चर्चित मुकाबला रहा। निश्चिन में खेले गए इस मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 211 रन बनाए। अभिषेक शर्मा ने 61 रन की शानदार पारी खेली, जबकि तिलक वर्मा ने केवल 22 गेंदों पर नाबाद 51 रन बनाकर भारतीय पारी को मजबूत आधार दिया। जवाब में पाकिस्तान की टीम 6 विकेट पर 192 रन ही बना सकी। उसके

बल्लेबाज हसन नवाज ने 96 रन की जुझारू पारी खेली, लेकिन वह अपनी टीम को जीत तक नहीं पहुंचा सके। भारत ने 19 रन से मुकाबला जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

इस जीत का महत्व इसलिए भी बढ़ गया क्योंकि भारतीय महिला क्रिकेट टीम पहले ही स्वर्ण पदक जीत चुकी थी। इस प्रकार भारत ने एशियाई खेलों में क्रिकेट के दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर शानदार दोहरी सफलता हासिल की। पुरुष टीम की पाकिस्तान पर जीत ने इस उपलब्धि को और विशेष बना दिया। भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मुकाबले में महेशा से खेल प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र रहे हैं। ऐसे में एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक के लिए हुआ यह मुकाबला लंबे समय तक याद किया जाएगा।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने भी देश को गौरवान्वित किया। फाइनल में भारत ने मलेशिया को 5-1 से हराकर लगातार दूसरी बार एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक जीता। कसान हरमनप्रीत सिंह ने दो गोल किए,

जबकि जुगराज सिंह, हार्दिक सिंह और शिलानंद लाकड़ा ने एक-एक गोल करके भारत की जीत को मजबूत किया। मलेशिया ने शुरुआती बराबरी के बाद भारतीय दबाव का सामना करने की कोशिश की, लेकिन भारतीय टीम ने धीरे-धीरे मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण स्थापित कर लिया। हॉकी में मिली यह सफलता केवल स्वर्ण पदक तक सीमित नहीं रही। इस जीत के साथ भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने 2028 के लॉस एंजलिस ओलंपिक खेलों में सीधे प्रवेश भी सुनिश्चित कर लिया। एशियाई खेलों की पुरुष हॉकी ओलंपिक में सीधे प्रवेश मिलता है। इस प्रकार भारतीय टीम को अब ओलंपिक प्रवेश के लिए अलग से योग्यता प्रतियोगिता में संघर्ष नहीं करना पड़ेगा।

भारतीय हॉकी के लिए यह उपलब्धि विशेष महत्व रखती है। एक समय विश्व हॉकी में भारत का दबदबा था, लेकिन पिछले कुछ दशकों में उसे अनेक उतार-चढ़ाव से गुजरना पड़ा।

कविता

श्राद्ध नहीं बस अन्न है



डॉ. सत्यवान सौरभ

जीते जी जिनको दिया, तांनों का उपहार। मरने पर तस्वीर को, चढ़ते फूल हजार।।

बाप पसीना बेचकर, करता घर आबाद। आज बुढ़ापे में उसे, बेटे करें न याद।।

जीवन भर जो पालते, रखकर अपनी भूख। उनके हिस्से छोड़ दी, वृद्धाश्रम की रूख।।

जीते जी दो रोटीयाँ, दे न सके परिवार। श्राद्ध दिवस पर भोज का, करते हैं विस्तार।।

सेवा में माँ-बाप की, जितना सच्चा प्यार। उनका ही पावन बने, पूजा और व्यवहार।।

तीर्थ गए संसार में, खोज रहे भगवान। घर बैठे माँ-बाप में, छूटा सच्चा ज्ञान।।

पिंड चढ़ाकर सोचते, मिल जाएगा मोक्ष। जीते जी माँ-बाप के, रहते कष्ट परोक्ष।।

धन-दौलत के मोह में, रिश्ते गए बिसार। अब बूढ़े माँ-बाप के, सूते पड़ते द्वार।।

श्राद्ध नहीं बस अन्न है, श्राद्ध नहीं बस दान। सेवा है माँ-बाप की, सच्चा पुण्य महान।।

माँ की ममता भूलकर, दुनिया में क्या जीत। जिस घर में ये ना हँसे, कैसी सौरभ प्रीत।।

जीवन भर जो बाँटते, सब बच्चों में प्यार। उन्हें बुढ़ापे में मिले, थोड़ा सा सत्कार।।

कौवे को भोजन दिया, ब्राह्मण को उपहार। माँ-बापों की भूख पर, क्यों न आया प्यार।।

कर्मकांड से क्या मिले, यदि मन में हो खोट। जीते जी सेवा करो, यही धर्म की ओट।।

व्यंग्य केसरी

राजनीति में टोपी



रविंद्र गिन्नोरे

चुनावी मौसम में साफ महसूस होता है। देश में आज़ादी के साथ टोपी का चलन भी बढ़ चला है। सर्वाधिक लोकप्रिय टोपी ‘गांधी टोपी’ रही। गांधी जी ने कभी टोपी नहीं पहनी, मगर उनके नाम पर टोपी पहनने वालों की कमी नहीं रही। गांधी टोपी राजनीति में इतनी लोकप्रिय हुई कि वह सिर से सीधे कुर्सी पर जा बैठी। टोपी और कुर्सी का चोली-दामन का साथ बन गया। सत्ता बदली, लोग बदले, नारे बदले, घोषणाएँ बदलीं, लेकिन सत्ता टोपी वालों के साथ बनी रही। टोपी सम्मान की प्रतीक है और पहचान का साधन भी। नेता टोपी इसलिए पहनते हैं कि कोई दूसरा उन्हें टोपी न पहना सके। चुनाव वैतरणी पार कर सत्ता तक पहुंचने में टोपी कारगर साबित होती है। यहाँ टोपी पहनाने का अधिकार केवल नेताओं के पास सुरक्षित है और जनता को टोपी पहनना लोकतांत्रिक कर्तव्य समझा जाता है। हर चुनाव में नेता जनता के सिर पर विकास, रोजगार, महँगाई, गरीबी हटाने की टोपी रखते हैं। जनता भी बड़े भोलेपन से सिर झुका देती है। पाँच साल बाद जब टोपी तंग लगने लगती है तो नेता कहते हैं ‘यह तो पिछली सरकार की टोपी थी। अब हमारी टोपी पहनिए।’ जनता टोपी उतारती है, तो उसके नीचे फिर वही खाली सिर दिखाई देता है। गांधी जी के नाम की टोपी पहनने वाले अपनी आन-बान-शान समझने लगे। धीरे-धीरे हर पार्टी ने गांधी टोपी की तर्ज पर अपनी-अपनी टोपी तैयार कर ली। गिरगिट की तरह रंग बदलने वाले नेताओं ने टोपी के रंग भी बदल लिए। लाल टोपी, हरी टोपी, पीली टोपी और कभी-कभी ऐसी टोपी भी सामने आती है जिसका रंग मौसम देखकर बदलता है। टोपी बदलने के साथ गांधीजी की अहिंसा क्रूरता से बदल गई। अब टोपी केवल सिर पर नहीं रहती; वह घोषणापत्र में, भाषण में, पोस्टर में, सोशल मीडिया में और चुनावी रथ पर भी दिखाई देती है। नेता टोपी पहनकर कहते हैं कि वे जनता के सेवक हैं, और टोपी उतारकर सत्ता के मालिक बन जाते हैं।

इतिहास

5 अक्टूबर का दिन देश और दुनिया के इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं, प्रसिद्ध हस्तियों के जन्म और विशेष दिवस के रूप में दर्ज है। प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ ८ 1789: फ्रांस की क्रांति के दौरान पेरिस की महिलाओं ने रोटी की कमी और महंगाई के विरोध में वर्साई की ओर ऐतिहासिक मार्च निकाला, जिसके बाद राजा लुई XVI को पेरिस आना पड़ा। 1813: 1812 के युद्ध के दौरान टेम्प की लड़ाई में अमेरिकी सेना ने ब्रिटिश और मूल अमेरिकी ताकतों को हराया तथा शान्ती जनजाति के प्रसिद्ध नेता टेकुमसेह मारे गए। 1910: पुर्तगाल में राजशाही का तख्तापलट हुआ और देश में प्रथम पुर्तगाली गणराज्य (रिपब्लिक) की स्थापना हुई। 1962: पहली जेम्स बॉन्ड फिल्म ‘डॉक्टर नो’ (Dr. No) सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

स्कूल के अर्ध सत्र में ‘बिड़ला’ नाम गायब, पालकों में गुस्सा

न मीटिंग, न लिखित नोटिस बस सुना दिया फरमान

विश्व केसरी■
बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। शहर के चर्चित बिड़ला ओपन माईड्स स्कूल में आधे शैक्षणिक सत्र के बाद स्कूल का नाम बदलने की खबर ने पालकों के बीच हड़कंप मचा दिया है।अभिभावकों का आरोप है कि बच्चों का दाखिला ‘बिड़ला’ ब्रांड की प्रतिष्ठा और नाम को देखते हुए कराया गया था और इसके लिए भारी-भरकम फीस भी ली गई। अब सत्र के बीच अचानक नाम बदलने की जानकारी ने पूरे मामले को सवालों के घेरे में ला दिया है।

दाखिले के वक्त ‘बिड़ला’, अब नाम ही गायब – पालकों का सवाल सीधा है,जब प्रवेश के समय स्कूल की पहचान और ब्रांड महत्वपूर्ण था, तो सत्र के बीच अचानक वही नाम बदलने की जरूरत क्यों पड़ी ? अभिभावकों का कहना है कि उन्हें इस बदलाव की कोई पूर्व सूचना नहीं दी गई और न ही इस संबंध में कोई औपचारिक बैठक आयोजित की गई।

टीसी, मार्कशीट और प्रमाण-पत्रों को लेकर



अभिभावकों में गहरी चिंता – नाम परिवर्तन की खबर के बाद पालकों की सबसे बड़ी चिंता बच्चों के भविष्य को लेकर है। इस सत्र की मार्कशीट, टीसी, प्रमाण-पत्र और अन्य शैक्षणिक रिकॉर्ड किस नाम से जारी होंगे ? क्या नाम परिवर्तन का विद्यार्थियों की मान्यता

और भविष्य की पढ़ाई पर कोई असर पड़ेगा ? इन सवालों का स्पष्ट जवाब अभी पालकों की नहीं मिला है।

फोन पर सूचना, लिखित जवाब का इंतजार – पालकों का दावा है कि स्कूल प्रबंधन ने बैठक बुलाकर विस्तृत जानकारी देने के

बजाय फोन के माध्यम से नाम परिवर्तन की सूचना दी। अभिभावक इसे गंभीर प्रशासनिक निर्णय मानते हुए लिखित स्पष्टीकरण की मांग कर रहे हैं।

‘अब चुप नहीं बैठेंगे’ पालकों का ऐलान – मामले को लेकर पालकों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

पालक संजय रजक ने इसे कथित रूप से अभिभावकों के साथ धोखाधड़ी बताते हुए उपभोक्ता फोरम में शिकायत की तैयारी की बात कही है। पालकों ने सोमवार को स्कूल पहुंचकर प्रबंधन से जवाब मांगने और विरोध दर्ज कराने का ऐलान किया है। यदि संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो पालक कलेक्टर और जिला शिक्षा अधिकारी (DEO) के समक्ष शिकायत कर स्कूल की मान्यता, नाम परिवर्तन की प्रक्रिया और विद्यार्थियों के शैक्षणिक रिकॉर्ड की स्थिति की जांच की मांग करने की बात कह रहे हैं।

सबसे बड़ा सवाल – क्या स्कूल का नाम बदलना महज प्रबंधन का फैसला है, या इसके पीछे कोई ऐसा कारण है जिसे पालकों से छिपाया जा रहा है ? अब निगाहें स्कूल प्रबंधन के आधिकारिक जवाब पर टिकी हैं। क्योंकि मामला सिर्फ एक स्कूल के नाम का नहीं, बल्कि उन बच्चों के भविष्य का है जिनके अभिभावकों ने विश्वास के आधार पर उन्हें यहां दाखिला दिलाया है।

महानदी मीडिया क्लब शिवरीनारायण की बैठक में गोपाल केवट अध्यक्ष बने

विश्व केसरी■
शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। महानदी मीडिया क्लब शिवरीनारायण की प्रथम बैठक आज आयोजित की गई। बैठक में क्लब के गठन, आगामी कार्ययोजना एवं संगठन को मजबूत बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान उओशर गोपाल केवट ने अध्यक्ष पद के लिए अपना नाम प्रस्तावित किया, जिस पर उपस्थित सभी पत्रकार साथियों ने सर्वसम्मति से सहमति प्रदान की। इसके साथ ही गोपाल केवट को महानदी मीडिया क्लब शिवरीनारायण का अध्यक्ष चुना गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि क्लब के अन्य पदाधिकारियों एवं सदस्यों का विस्तार शुक्रवार, 9 अक्टूबर को आयोजित होने वाली बैठक में किया जाएगा। इस दौरान संगठन की आगामी गतिविधियों एवं कार्ययोजना को लेकर भी चर्चा की जाएगी। नवनियुक्त अध्यक्ष गोपाल केवट ने कहा कि महानदी मीडिया क्लब की कार्यप्रणाली में पूरी पारदर्शिता रखी जाएगी। पत्रकार साथियों के हितों को प्राथमिकता देते हुए आपसी समन्वय एवं सहयोग के साथ क्लब को मजबूत बनाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समय-समय पर क्लब की ओर से रचनात्मक, सामाजिक एवं पत्रकारिता से जुड़े नए और बेहतर आयोजन किए जाएंगे, जिससे क्षेत्र में पत्रकारिता के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों को भी मजबूती मिले।

शिवरीनारायण में आज होगा गौ सम्मान अभियान पथमेड़ा गौशाला के भरत महाराज होंगे शामिल

विश्व केसरी■
शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। गोमाता के सम्मान, सेवा एवं सुरक्षा के उद्देश्य से धार्मिक नगरी शिवरीनारायण में 5 अक्टूबर 2026 को गौ सम्मान अभियान के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। राजस्थान के पथमेड़ा गौशाला से भरत महाराज के शिवरीनारायण आगमन के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में गौभक्तों, धर्मप्रेमियों एवं सनातन समाज के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की गई है।

कार्यक्रम का आयोजन 5 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे शिवरीनारायण के कैफेटेरिया मेला ग्राउंड में होगा। अभियान के माध्यम से देशी गौवंश की सुरक्षा,

सेवा और सम्मान के प्रति लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है।

आयोजकों ने सभी गौभक्तों से अपने व्यस्त समय में से कम से कम एक घंटा निकालकर कार्यक्रम में सहभागिता निभाने का आग्रह किया है।

हर गांव से सहभागिता पर जोर – गौ सम्मान अभियान को व्यापक जनसमर्थन दिलाने के उद्देश्य से प्रत्येक परिचित गांव से कम से कम दो लोगों तथा प्रत्येक ग्राम पंचायत से सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की गई है। साथ ही लोगों से अपने मित्रों, परिचितों और आसपास के नागरिकों को भी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रेरित करने का अनुरोध किया गया है।

‘गिलहरी योगदान’ से जुड़ेगा जन-जन – अभियान के संदेश में भगवान श्रीराम के कार्य में गिलहरी द्वारा किए गए छोटे-से योगदान का उदाहरण देते हुए कहा गया है कि गोमाता की सेवा और सुरक्षा के लिए प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार योगदान दे सकता है। अभियान का उद्देश्य लोगों में गौसेवा के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना और गोमाता की पीड़ा को दूर करने के लिए सामूहिक प्रयासों को प्रोत्साहित करना है।

आयोजन से जुड़े लोगों ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इस पुनीत पहल का हिस्सा बनें और गोमाता के सम्मान एवं सुरक्षा के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाएं।

अकलतरा में उत्साह और उमंग के साथ मनाया जा रहा अग्रसेन जयंती समारोह

विश्व केसरी■
अकलतरा (नीरज शर्मा)। अग्रवाल समाज के आरध्य एवं समाजवाद, समानता और सेवा के प्रेरणास्रोत महाराजा अग्रसेन जी की जयंती के अवसर पर अग्रवाल सेवा समिति एवं अग्रवाल महिला समिति, अकलतरा द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला जयंती समारोह इस वर्ष भी उत्साह, उमंग और सामाजिक एकजुटता के साथ मनाया जा रहा है। इस वर्ष समारोह के आयोजन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी समाज की नारी शक्ति श्रीमती राखी कैलाश अग्रवाल को सौंपी गई है।जयंती समारोह को विशेष गरिमा प्रदान करते हुए समाज की प्रतिष्ठित शिक्षाविद एवं समाजसेवी डॉ. श्रीमती अनिता अग्रवाल, रायपुर ने मुख्य अतिथि



के रूप में तथा कुमारी वैभवी अग्रवाल, रायपुर, चयनित आईएएस 2026, ने विशिष्ट अतिथि के रूप में अपनी सहमति प्रदान की है। दोनों विशिष्ट महिला व्यक्तित्वों की उपस्थिति समारोह में नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का संदेश देगी। श्री अग्रसेन जयंती समारोह आयोजन समिति 2026 द्वारा 27 सितंबर से

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में एक हजार विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा



विश्व केसरी■
अकलतरा (नीरज शर्मा)। भारतीय संस्कृति, परंपराओं एवं संस्कारों के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा में अकलतरा विकासखंड के 40 से अधिक विद्यालयों के करीब एक हजार विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।परीक्षा संयोजक दीपक साहू ने बताया कि परीक्षा का आयोजन अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में किया जाता है। यह परीक्षा देश के 22 प्रांतों और करीब 400 जिलों में 11 भाषाओं में आयोजित होती है, जिसमें बड़ी संख्या में विज्ञापन, शिक्षक एवं विद्यार्थी शामिल होते हैं। परीक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों, परंपराओं एवं संस्कारों से परिचित कराना है। अकलतरा शहर सहित कटनई, तिलई, अकलतरी, मधुवा, पोड़ी-दल्हा, परसाही, कल्याणपुर, खोड़, किरारी, तरोद, तागा, कोटगढ़, महमदपुर और बरगवां सहित विभिन्न क्षेत्रों के विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। आयोजकों के अनुसार परीक्ष में शामिल सभी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।

नवरात्रि दुर्गा पंडाल क्षेत्रों में यातायात का दबाव नहीं रहेगा: प्रशासन

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। नगर में आगामी 11 अक्टूबर से शुरू हो रहे नवरात्रि पर्व के दौरान शहर के पूजा पंडालों और गरबा-डॉडिया आयोजनों वाले क्षेत्रों में लोगों की आवाजाही बढ़ने के साथ ट्रैफिक दबाव बढ़ने की संभावना को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए दुर्गा उत्सव समितियों की भी मदद ली जा सकती है। विशेषकर प्रमुख पूजा पंडालों के आसपास जाम की स्थिति से निपटने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा समितियों के वालंटियर्स की मदद लेने की योजना बनाई गई है। शहर के तेलीपारा, मध्यनगरी चौक, बंगाली स्कूल, बुधवारी, राजेंद्रनगर और शिव टॉकीज तारवाहर क्षेत्र में गणेश-दुर्गा उत्सव के दौरान वाहनों का दबाव अधिक रहता है।

नवरात्रि के दौरान इन स्थानों पर लोगों की संख्या बढ़ने से यातायात प्रभावित होने की आशंका है। इसके अलावा गरबा और डॉडिया आयोजन वाले स्थानों पर शाम से देर रात तक लगातार लोगों की आवाजाही रहती है। दूसरी ओर भीड़ के दौरान अप्रिय घटना होने की भी आशंका रहती है जिसके लिए पुलिस बल तैनात रहेगी जो असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखेगी और बदमाशी करने पर कड़ी कार्रवाई भी की जाएगी। देखा जाए तो शहर के लगभग हर परिवारों में सदस्यों की तुलना में दोपहिया वाहनों की संख्या बहुत ही ज्यादा हो गई है। यही कारण है कि समय-समय पर होने वाले आयोजन और तीज त्योहार के दौरान बाजार ही नहीं हर जगह पर वाहन रंगते नजर आते हैं। इससे जाम की स्थिति निर्मित होती है। वहीं दुर्गा उत्सव के दौरान शाम के बाद प्रमुख पंडालों के आसपास भारी भीड़ नजर आती है। लोग दोपहिया चौपहिया वाहनों में परिवार के साथ पूरे शहर का भ्रमण करते हैं जिसकी वजह से न



केवल रोड में बल्कि पंडाल के आसपास जाम की समस्या होती है जिससे आम नागरिकों को ही परेशानी होती है। इन्हीं समस्याओं से निपटने के लिए पंडाल समितियों से भी सहयोग लिया जा सकता है। प्रशासन, समितियों को पंडाल में वालंटियर्स की मदद से वाहनों की पार्किंग, प्रवेश एवं निकासी व्यवस्था को व्यवस्थित करने की अपील कर सकती है, ताकि मुख्य मार्गों पर अनावश्यक जाम की स्थिति न बने।

नौ दिनों तक चलने वाले इस धार्मिक महोत्सव में शहर के चप्पे-चप्पे की सुरक्षा के लिए पुलिस प्रशासन भी सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर सतर्क है। यहां प्रमुख मार्गों के साथ-साथ आयोजन स्थलों पर पेट्रोलिंग बढ़ाने के साथ पंडालों तथा आने-जाने वाले रास्तों पर नजर रखी जाएगी। भीड़ में किसी तरह की अप्रिय घटना को रोकने व श्रद्धालुओं को सुरक्षित माहौल मिल सके इसके लिए पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। इस दौरान पुलिस असामाजिक तत्वों, गुंडे-बदमाशों और सदिंध गतिविधियों पर भी पैनी नजर रखेगी। त्योहार का माहौल बिगाड़ने या कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था तगड़ी रखी जाएगी और सदिंधों की धरपकड़ होगी।

केरा-बिरा मार्ग पर हसदेव नदी का पुल जर्जर बाहर निकली सरिया बन रही हादसों की वजह

विश्व केसरी■

केरा/बिरा (नीरज शर्मा)। केरा से बिरा मार्ग पर हसदेव नदी पर बना पुल इन दिनों बदहाल स्थिति से गुजर रहा है। पुल की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि छोटे-मोटे वाहनों का आवागमन भी मुश्किल होता जा रहा है। पुल पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं और कई स्थानों पर सड़क की सतह से लोहे की सरिया बाहर निकल आई हैं। इससे वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है। इसके बावजूद पुल की मरम्मत को लेकर ठोस पहल होती नजर नहीं आने से राहगीरों की परेशानी बढ़ती जा रही है।

गड्ढों और बाहर निकली सरिया से हादसों का खतरा – पुल पर बने गड्ढे वाहन चालकों के लिए बड़ी मुश्किल बन गए हैं। गड्ढों से बचने के प्रयास में वाहन चालकों को अचानक दिशा बदलनी पड़ती है, जिससे सामने से आने वाले वाहनों के साथ टक्कर होने का खतरा बना रहता



है। वहीं, सड़क से बाहर निकली लोहे की सरिया दोपहिया और छोटे वाहनों के लिए विशेष रूप से खतरनाक साबित हो सकती है। स्थानीय स्तर पर इनकी वजह से दुर्घटनाएं होने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। ऐसे में पुल की तत्काल मरम्मत और सुरक्षा इंतजामों की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

पुलिस के पास गाड़ियां कम, पेट्रोलिंग पर बड़ा संकट, बिलासपुर के थानों को चाहिए 43 और वाहन

विश्व केसरी■
बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। शहर और जिले में अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था और लगातार बढ़ती पुलिसिंग की जरूरत के बीच बिलासपुर पुलिस के सामने वाहनों की कमी बड़ी चुनौती बनती जा रही है। जिले के थानों और चौकियों में पेट्रोलिंग वाहनों की कमी का असर सीधे पुलिस की त्वरित कार्रवाई पर पड़ रहा है। विभाग को 43 अतिरिक्त वाहनों की जरूरत है, जिनमें करीब 30 वाहन केवल पेट्रोलिंग के लिए मांगे गए हैं।

खराब गाड़ियों ने बढ़ाई मुश्किल– पुलिस सूत्रों के अनुसार जिले में वर्तमान में छोटी-बड़ी मिलाकर करीब 88 सरकारी

गाड़ियां उपलब्ध हैं, लेकिन इनमें से कई वाहन पुराने होने के साथ लगातार खराब भी होते रहते हैं। इसके कारण पेट्रोलिंग व्यवस्था प्रभावित हो रही है। जिले के 17 थानों और तीन चौकियों में फिलहाल करीब 20 पेट्रोलिंग वाहन लगाए गए हैं। ट्रैफिक थाने में भी चार पेट्रोलिंग वाहन उपलब्ध हैं।

एक वाहन के भरोसे पूरा थाना क्षेत्र – बड़े क्षेत्रफल वाले सिविल लाइन, सिरगिट्टी, सकरी जैसे थानों में कई बार एक ही वाहन से पूरे क्षेत्र में गश्त करनी पड़ती है। किसी घटना की सूचना मिलने पर यदि पेट्रोलिंग वाहन मौके पर चला गया तो दूसरे इलाके में तत्काल पहुंचने के लिए पुलिसकर्मियों को दूसरे वाहन का इंतजार करना पड़ता



है। इससे पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया व्यवस्था पर असर पड़ने की आशंका बनी रहती है। पुलिस के वाहनों का इस्तेमाल केवल पेट्रोलिंग के लिए ही नहीं होता। जवानों को गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय ले जाने, घटना की जांच, है।

वीआईपी मूवमेंट, ड्यूटी, जजों के पायलट, अधिकारियों के दौरे और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए भी वाहन उपलब्ध करना पड़ते हैं। ऐसे में सीमित संख्या में वाहनों पर लगातार अतिरिक्त दबाव बना रहता है।

खराब वाहन तो बन जाते हैं मुसीबत – वाहनों की कमी के साथ उनकी खराब हालत भी पुलिस के लिए परेशानी का कारण है। खबर के अनुसार तारबाहर थाने में कुछ दिन पहले रात करीब 11:30 बजे पेट्रोलिंग कर रहे जवानों के वाहन का पावर स्टेयरिंग खराब हो गया। गाड़ी को सड़क किनारे खड़ा कर जवानों ने आसपास के लोगों से मदद मांगी। बाद में वाहन की मरम्मत कराई गई।पुलिसकर्मियों का कहना है कि रात की पेट्रोलिंग के दौरान वाहन खराब होना सुरक्षा के लिहाज से भी गंभीर स्थिति पैदा कर सकता है। यदि किसी संवेदनशील इलाके में तत्काल पुलिस सहायता की जरूरत हो और पेट्रोलिंग वाहन रास्ते में खराब हो

जाए तो पुलिस की पहुंच में देरी हो सकती है।

विधानसभा में भी उठ चुका है वाहन खर्च का मुद्दा – पुलिस वाहनों और डीजल-पेट्रोल के बढ़ते खर्च का मुद्दा विधानसभा में भी उठ चुका है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक प्रदेश के पुलिस विभाग के पास करीब 2618 ट्रक, 720 म/एमपी, 364 भारी वाहन और 6279 मोटरसाइकिलें उपलब्ध हैं। विभाग द्वारा वाहनों की मरम्मत सहित अन्य मदों में बड़ी राशि खर्च की जाती है। बिलासपुर में भी करीब 350 करोड़ रुपये खर्च होने की जानकारी सामने आई थी, जबकि बिलासपुर पुलिस का बजट करीब 63.5 करोड़ रुपये बताए जाने का उल्लेख है।

40 से ज्यादा वाहनों की अतिरिक्त जरूरत
पुलिस विभाग की ओर से करीब 40 से अधिक अतिरिक्त वाहनों की आवश्यकता बताई गई है। इस संबंध में पुलिस मुख्यालय को पत्र भेजे जाने की जानकारी है। बड़े थानों के साथ फोर्स प्वाइंट समेत अन्य जरूरी जगहों के लिए भी अतिरिक्त वाहनों की मांग की गई है। सबसे बड़ी जरूरत पेट्रोलिंग वाहनों की है। अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था के लिहाज से यदि हर थाना क्षेत्र में पर्याप्त और चालू हालत में वाहन उपलब्ध हों, तो सूचना मिलने के बाद पुलिस की पहुंच और कार्रवाई दोनों में तेजी लाई जा सकती है।

छोटी सी घटना भी खड़ी कर देती है बड़ी परेशानी
वाहनों की कमी का असर केवल पेट्रोलिंग तक सीमित नहीं है। हाल ही में एक परिवार और पुलिस के बीच विवाद की सूचना मिलने पर रात करीब 10:30 बजे पेट्रोलिंग वाहन को मौके पर भेजा गया। वाहन पहले दोनों पक्षों को लेकर थाने पहुंचा और बाद में एक टीम को दूसरे कार्य के लिए रवाना करना पड़ा। ऐसी परिस्थितियां बताती हैं कि सीमित वाहनों में पुलिस को एक साथ कई जिम्मेदारियां निभानी पड़ रही हैं। फिलहाल सवाल यही है कि जब पुलिस से हर समय त्वरित कार्रवाई की उम्मीद की जाती है, तो क्या पर्याप्त संख्या में चालू हालत के पेट्रोलिंग वाहन उपलब्ध कराना भी उतनी ही प्राथमिकता नहीं होनी चाहिए ?

भारत को लेकर बढ़ रहा अंतरराष्ट्रीय विश्वास, विकास क्षमता बना रही निवेशकों की पसंद: वैश्विक विशेषज्ञ

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव 2026 में दुनिया भर से आए अर्थशास्त्रियों और नीति विशेषज्ञों ने रविवार को वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक तनावों और आर्थिक चुनौतियों के बीच देशों की आर्थिक मजबूती बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। सम्मेलन में भारत की विकास संभावनाओं, वैश्विक व्यापार व्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु जोखिमों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

स्वीडिश अर्थशास्त्री एरिक बर्गलोफ ने न्यूज एजेंसी आईएनएस से बातचीत में कहा कि वह इस सम्मेलन से इसकी शुरुआत से जुड़े रहे हैं और समय के साथ इसकी गुणवत्ता तथा अंतरराष्ट्रीय भागीदारी में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि इस बार पहले की तुलना में कहीं अधिक देशों और प्रतिनिधियों की भागीदारी देखने को मिल रही है।

उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियां अत्यधिक अनिश्चित हैं और

इसी संदर्भ में सम्मेलन की चर्चाएं महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि ऊर्जा, व्यापार और आपूर्ति शृंखलाओं से जुड़े जोखिमों के बीच अर्थव्यवस्थाओं को अधिक लचीला और सक्षम बनाने पर विचार-विमर्श समय की जरूरत है।

एरिक बर्गलोफ ने आईएनएस से कहा, 'भारत की विकास संभावनाएं मजबूत हैं और

कारोबारों को राहत देने के प्रयास किए हैं, लेकिन इससे राजकोषीय दबाव भी बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक संकटों के बीच विकास गति बनाए रखना नीति निर्माताओं के लिए महत्वपूर्ण चुनौती है। इसके अलावा, ब्राजील स्थित क्लाइमेट पॉलिसी इनिशिएटिव के कार्यकारी जुलियानो असुन्साओ ने आईएनएस से कहा कि आज दुनिया जिस सबसे बड़े साझा जोखिम का सामना कर रही है, वह जलवायु परिवर्तन है।

उन्होंने कहा, 'जलवायु संकट किसी एक देश का मुद्दा नहीं है और इससे निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग जरूरी होगा। भारत और ब्राजील न केवल जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का सामना कर रहे हैं, बल्कि समाधान का भी महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकते हैं।' जुलियानो असुन्साओ ने आगे कहा कि भारत और ब्राजील के बीच ब्रिक्स जैसे मंचों के माध्यम से पहले से कई संस्थागत संबंध मौजूद हैं। इसके अलावा भारतीय कंपनियों का ब्राजील में निवेश भी बढ़ रहा है।



कोविड-19 के बाद देश ने प्रभावशाली आर्थिक गति हासिल की है।' उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था में मजबूत वृद्धि की क्षमता बनी हुई है। हालांकि उन्होंने कहा कि ईरान से जुड़े संघर्ष और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का असर भारत समेत कई उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ा है। उन्होंने आगे बताया कि सरकार ने आम लोगों और

सितंबर में एफपीआई ने निकाले 45,536 करोड़ रुपए बड़ी कंपनियों के शेयरों के वैल्यूएशन हुए आकर्षक

विश्व केसरी■

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने सितंबर 2026 में भारतीय शेयर बाजार में भारी बिकवाली की और कुल 45,536 करोड़ रुपए के इक्विटी शेयर बेचे। हालांकि, प्राथमिक बाजार में उनकी रुचि बनी रही और उन्होंने सितंबर के दौरान 9,676 करोड़ रुपए का निवेश किया।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, हाल के दिनों में विदेशी निवेशकों की बिकवाली में तेज बढ़ोतरी देखने को मिली है, जिसकी प्रमुख वजह अमेरिकी 10-वर्षीय बॉन्ड यील्ड का 5.2 प्रतिशत से ऊपर पहुंचना और कच्चे तेल की कीमतों के लंबे समय तक ऊंचे बने रहने का आशंका रही है।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार डॉ. वी.के. विजयकुमार ने कहा कि लगातार विदेशी बिकवाली ने भारतीय शेयर बाजार को काफी कमजोर किया है। इसी दबाव के चलते बाजार लगातार आठ सप्ताह तक गिरावट के साथ

बंद हुआ। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 13 प्रतिशत कम बारिश वाले कमजोर मानसून ने भी निवेशकों की धारणा पर असर डाला है। हालांकि, हालिया करेक्शन के बाद बड़ी कंपनियों यानी लार्ज-कैप शेयरों के वैल्यूएशन अब अधिक आकर्षक दिखाई देने लगे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि गुणवत्ता वाली बड़ी कंपनियों के शेयरों में दीर्घकालिक निवेशकों के लिए अवसर बन सकते हैं। विश्लेषकों का कहना है कि विदेशी निवेशकों की बिकवाली में ठहराव या वापसी के लिए कुछ सकारात्मक संकेत आवश्यक होंगे। इनमें कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में नरमी प्रमुख कारक होंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई और अगस्त में कच्चे तेल की कीमतों में संभावित गिरावट की उम्मीदों के कारण विदेशी निवेशकों का रुख सकारात्मक हुआ था, लेकिन वह रुझान अस्थायी साबित हुआ। 28 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच केवल चार कारोबारी सत्रों में ही विदेशी निवेशकों ने लगभग 34,965 करोड़ रुपए की अस्थायी इक्विटी बिकवाली की, जबकि इसी अवधि के लिए रिपोर्ट की गई गतिविधि के लिए निर्धारित इक्विटी बिकवाली 27,962 करोड़ रुपए रही।



मार्केट आउटलुक: अगले हफ्ते आरबीआई पॉलिसी, तिमाही नतीजे और पश्चिम एशिया तनाव जैसे अहम कारक तय करेंगे बाजार की दिशा

विश्व केसरी■

मुंबई। छुट्टियों के कारण छोटे रहे कारोबारी सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार पर वैश्विक दबाव हावी रहा और प्रमुख सूचकांक महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक स्तरों से नीचे फिसल गए। अब अगले सप्ताह निवेशकों की निगाहें आरबीआई की मौद्रिक नीति समीक्षा, दूसरी तिमाही (क्यू2) के कॉरपोरेट नतीजों और पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव पर रहेंगी, जो बाजार की अगली दिशा तय कर सकते हैं।

बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि यदि पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के संकेत मिलते हैं, तो भारतीय बाजार में तेज राहतभरी तेजी देखने को मिल सकती है। वहीं दूसरी ओर, आरबीआई की नीति, महंगाई पर उसका दृष्टिकोण और आर्थिक वृद्धि के अनुमान घरेलू ब्याज दरों तथा वित्तीय बाजारों के लिए महत्वपूर्ण संकेत देंगे।

पिछले सप्ताह बाजार में कमजोरी की शुरुआत पहले कारोबारी दिन से ही दिखाई दी। सोमवार को सेंसेक्स 1.52 प्रतिशत गिरा, जबकि अगले दो सत्रों में भी कमजोरी बनी रही। गुरुवार को सूचकांक में 0.79 प्रतिशत की और गिरावट दर्ज की गई।

साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स 1,670.84 अंक टूटकर 71,909.70 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 3 प्रतिशत से अधिक गिरकर 22,421.95 पर आ गया। विश्लेषकों के अनुसार यह गिरावट बाजार में जारी करेक्शन के दौर को दर्शाती है।

तकनीकी दृष्टि से देखें तो निफ्टी लगातार आठवें सप्ताह गिरावट के साथ बंद हुआ है। विशेषज्ञों के मुताबिक साप्ताहिक आरएसआई (रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स) लगभग 31.06 पर है, जो 50 के तटस्थ स्तर से काफी नीचे है और बाजार में कमजोर मोमेंटम को दर्शाता है।

हालांकि आरएसआई अब ओवरसोल्ड ज़ोन के करीब पहुंच रहा है, जिससे पिछले स्तरों पर बीच-बीच में तकनीकी रिकवरी देखने को मिल सकती है।

तकनीकी विश्लेषण के अनुसार, निफ्टी के लिए निकट अवधि में 22,800 और 23,000 का स्तर महत्वपूर्ण प्रतिरोध (रेजिस्टेंस) रहेगा। इन स्तरों के ऊपर टिकाऊ बढ़त मिलने पर बिकवाली का दबाव कम हो सकता है। वहीं नीचे की ओर 22,350 और 22,180 के स्तर प्रमुख समर्थन (सपोर्ट) माने जा रहे हैं।



आरबीआई की एमपीसी बैठक से पहले ब्याज दरों में बढ़ोतरी के आसार

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक अगले हफ्ते होने वाली है। बैठक से पहले अर्थशास्त्रियों का मानना है कि सेंट्रल बैंक अब ब्याज दरें बढ़ाने का सिलसिला शुरू कर सकता है। पहले दिसंबर में बढ़ोतरी की उम्मीद थी लेकिन अब इसे अक्टूबर में ही शुरू होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

बैंक ऑफ अमेरिका (बीओएफए) के मुताबिक, बढ़ती ऊर्जा कीमतों, खाद्य महंगाई और चौतरफा महंगाई के दबाव के कारण अक्टूबर में 25 बेसिस पॉइंट्स (बीपीएस) की बढ़ोतरी संभव है जबकि पहले यह दिसंबर में अनुमानित थी।

बीओएफए ने कहा, 'लगभग दो साल की मौद्रिक नरमी के बाद, आरबीआई अक्टूबर एमपीसी में नीतिगत समर्थन वापस लेने के

शुरुआती कदम उठाने के लिए तैयार दिख रहा है। ऐसे में हमें लगता है कि आरबीआई अक्टूबर एमपीसी में 25बीपीएस की दर से बढ़ोतरी करेगा।'

एसबीआई रिसर्च ने भी अपनी रिपोर्ट में कहा है कि इस समय 25-बीपीएस की दर से बढ़ोतरी का जोखिम काफी बढ़ गया है। महंगाई का दायरा बढ़ना, वैश्विक हालात बिगड़ना, लिक्विडिटी की स्थिति और वैश्विक स्तर पर जोखिमों का

दोबारा मूल्यांकन, पहले से कार्रवाई करने की जरूरत को मजबूत कर रहा है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक 5 से 7 अक्टूबर तक होनी है, जिसमें बेंचमार्क रेपो रेट पर फैसला लिया जाएगा। एसबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल के दाम का जोखिम और वैश्विक जोखिमों के दोबारा

मूल्यांकन को देखते हुए, 'हमारे लिए कर्व से पीछे रहने के बजाय पहले से ही कार्रवाई करना समझदारी होगी।'

महंगाई अब तेजी से बढ़ रही है। सीपीआई महंगाई अगस्त में बढ़कर 4.82 प्रतिशत हो गई, जो जुलाई में 4.45 प्रतिशत थी। मजबूत अल नीनो और अक्टूबर में सामान्य से कम बारिश रबी की पैदावार के लिए और जोखिम पैदा कर सकती है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, महंगाई और वैश्विक स्तर पर बॉन्ड यील्ड बढ़ने से आरबीआई के लिए दरों को यथावत रखने की गुंजाइश कम हो गई है। बीएनपी पारिवा इंडिया की एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले कुछ हफ्तों में बेंचमार्क रेपो रेट पर फैसला लिया हुआ है, क्योंकि ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चला गया है और अमेरिका के 10-साल के ट्रेजरी यील्ड 5 प्रतिशत की ओर बढ़ गए हैं।



गंभीर स्वच्छता खामियों के चलते क्रिएटिव बेकर्स का लाइसेंस निलंबित

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसआई) ने खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता मानकों के उल्लंघन पर दो बड़ी कार्रवाई करते हुए पश्चिम बंगाल स्थित क्रिएटिव बेकर्स एंड कन्फेक्शन्स प्राइवेट लिमिटेड का लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही एवरैस्ट फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड को अपने जीरा पाउडर के एक बैच को बाजार से वापस मंगाने का निर्देश दिया गया है।

एफएसएसआई ने बयान में कहा कि क्रिएटिव बेकर्स एंड कन्फेक्शन्स की विनिर्माण इकाई के निरीक्षण के दौरान कई गंभीर खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता संबंधी कमियां सामने आईं। जिनमें पानी और तैयार उत्पादों की परीक्षण रिपोर्ट, तापमान निगरानी रिकॉर्ड, उपकरणों की कैलिब्रेशन जानकारी, प्रिवेंटिव मेंटेनेंस रिकॉर्ड, मॉक रिकॉल दस्तावेज, उपभोक्ता शिकायत रजिस्टर, प्रशिक्षण रिकॉर्ड और ऑडिट रिपोर्ट शामिल हैं।

इन गंभीर कमियों को देखते हुए एफएसएसआई ने कंपनी का लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निरीक्षण के दौरान खाद्य हैंडलिंग क्षेत्रों में कचरा, पुराना स्टॉक, अस्वीकृत सामग्री और स्क्रैप भी जमा मिला। इसके अलावा परिसर में जंग लगी मशीनों, उखड़ता पेंट, नमी वाली दीवारों और क्षतिग्रस्त फर्श टाइलों भी पाई गईं।

एफएसएसआई ने यह भी पाया कि कंपनी कई अनिवार्य खाद्य सुरक्षा रिकॉर्ड और निगरानी प्रणालियों का उचित रखरखाव नहीं कर रही थी। इनमें पानी और तैयार उत्पादों की परीक्षण रिपोर्ट, तापमान निगरानी रिकॉर्ड, उपकरणों की कैलिब्रेशन जानकारी, प्रिवेंटिव मेंटेनेंस रिकॉर्ड, मॉक रिकॉल दस्तावेज, उपभोक्ता शिकायत रजिस्टर, प्रशिक्षण रिकॉर्ड और ऑडिट रिपोर्ट शामिल हैं।

इन गंभीर कमियों को देखते हुए एफएसएसआई ने कंपनी का लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निरीक्षण के दौरान खाद्य हैंडलिंग क्षेत्रों में कचरा, पुराना स्टॉक, अस्वीकृत सामग्री और स्क्रैप भी जमा मिला। इसके अलावा परिसर में जंग लगी मशीनों, उखड़ता पेंट, नमी वाली दीवारों और क्षतिग्रस्त फर्श टाइलों भी पाई गईं।

एफएसएसआई ने यह भी पाया कि कंपनी कई अनिवार्य खाद्य सुरक्षा रिकॉर्ड और निगरानी प्रणालियों का उचित रखरखाव नहीं कर रही थी। इनमें पानी और तैयार उत्पादों की परीक्षण रिपोर्ट, तापमान निगरानी रिकॉर्ड, उपकरणों की कैलिब्रेशन जानकारी, प्रिवेंटिव मेंटेनेंस रिकॉर्ड, मॉक रिकॉल दस्तावेज, उपभोक्ता शिकायत रजिस्टर, प्रशिक्षण रिकॉर्ड और ऑडिट रिपोर्ट शामिल हैं।

इन गंभीर कमियों को देखते हुए एफएसएसआई ने कंपनी का लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निरीक्षण के दौरान खाद्य हैंडलिंग क्षेत्रों में कचरा, पुराना स्टॉक, अस्वीकृत सामग्री और स्क्रैप भी जमा मिला। इसके अलावा परिसर में जंग लगी मशीनों, उखड़ता पेंट, नमी वाली दीवारों और क्षतिग्रस्त फर्श टाइलों भी पाई गईं।



साइबर हमलों से बैंकों के ग्राहकों का डेटा लीक दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ने दिए जांच के आदेश

विश्व केसरी■

सोल। दक्षिण कोरिया में हाल में हुए साइबर हमलों में हाना बैंक, केबी क्यूमिन बैंक और शिनहान बैंक समेत कई वित्तीय कंपनियों के ग्राहकों की जानकारी लीक होने के मामले सामने आने के बाद रविवार को दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे यूनग ने संस्थानों पर हुए लगातार साइबर हमलों की पूरी जांच करने का आदेश दिया। इन हमलों में ग्राहकों की निजी जानकारी लीक हुई है।

योनहाप न्यूज एजेंसी के मुताबिक, राष्ट्रपति की प्रवक्ता कांग यू-जुंग ने एक प्रेस रिलीज में कहा, 'राष्ट्रपति ली को हाल में वित्तीय और सरकारी संस्थानों में हुए डेटा के लिए जरूरी कदम उठाने को कहा है। कदमों की जानकारी दी गई।'

उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति ने उसके करीब 25 हजार ग्राहकों की निजी अधिकारियों को इस मामले को गंभीरता से लेने, पूरी जांच करने और समस्या से निपटने के लिए जरूरी कदम उठाने को कहा है। गुरुवार को शिनहान बैंक ने बताया कि

उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति ने उसके करीब 25 हजार ग्राहकों की निजी अधिकारियों को इस मामले को गंभीरता से लेने, पूरी जांच करने और समस्या से निपटने के लिए जरूरी कदम उठाने को कहा है। गुरुवार को शिनहान बैंक ने बताया कि

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स का इस्तेमाल किया था। हाना बैंक के 89 ग्राहकों की निजी जानकारी भी लीक होने का पता चला है। वहीं, वूरी बैंक और एनएच नोंगह्यु बैंक को भी इसी तरह के साइबर हमलों में निशाना बनाने की कोशिश की गई। हालांकि, इन बैंकों ने अपने सिस्टम में बिना इजाजत दाखिल होने की कोशिश को रोक दिया, जिससे ग्राहकों की निजी जानकारी लीक नहीं हुई। फाइनेंशियल सर्विसेज कमीशन के चेयरमैन ली इओग-वोन और फाइनेंशियल सुपरवाइजरी सर्विस के गवर्नर ली चान-जिन का रविवार को प्रभावित वित्तीय कंपनियों के साथ एक इमरजेंसी बैठक करने का कार्यक्रम था। बैठक में इन साइबर हमलों



भारत की विकास दर प्रभावशाली, लेकिन वैश्विक चुनौतियों से सतर्क रहना जरूरी: विशेषज्ञ

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में 3 से 5 अक्टूबर, 2026 तक 'प्रवाह के युग में सुदृढ़शीलता' विषय के तहत आयोजित 5वें कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव 2026 के दौरान अर्थशास्त्रियों और नीति विशेषज्ञों ने रविवार को कहा कि मौजूदा समय वैश्विक स्तर पर असाधारण अनिश्चितताओं का दौर है, ऐसे में सरकारों और निजी क्षेत्र दोनों के लिए आर्थिक लचीलापन विकसित करना बेहद जरूरी हो गया है।

वॉशिंगटन डीसी स्थित अर्थशास्त्री और व्यवसाय विशेषज्ञ प्रो. प्रवीण कृष्णा ने न्यूज एजेंसी आईएनएस से बात करते हुए कहा कि यह सम्मेलन बिल्कुल सही समय पर आयोजित हो रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया इस समय जटिल भू-राजनीतिक परिस्थितियों का सामना कर रही है। मध्य पूर्व में तनाव, रूस-यूक्रेन संघर्ष और अमेरिका की नीतियों में हो रहे बदलाव वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे माहौल में सबसे बड़ा सवाल यह है कि सरकारें और उद्योग जगत लगातार बदलती परिस्थितियों में अपनी अर्थव्यवस्था को किस तरह मजबूत और सुरक्षित

देश की आर्थिक नीतियों और प्रबंधन की सफलता को दर्शाती है।' हालांकि, उन्होंने आगाह किया कि अच्छी वृद्धि दर के बावजूद कई चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं और कुछ नई चुनौतियां भविष्य में सामने आ सकती हैं।

उन्होंने कहा कि सम्मेलन में सबसे सकारात्मक बात यह देखने को मिली कि सरकारी अधिकारी, उद्योग जगत और नीति निर्माता संभावित जोखिमों को लेकर पूरी तरह जागरूक हैं। उन्होंने बताया कि विभिन्न पक्ष इस बात पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं कि जोखिमों को कैसे कम किया जाए, किस प्रकार वैकल्पिक व्यवस्था तैयार की जाए और अनिश्चितताओं के बीच आर्थिक सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाए। प्रो. कृष्णा ने आगे कहा कि वर्तमान वैश्विक माहौल में केवल एक या दो बाजारों या ऊर्जा स्रोतों पर निर्भर रहना जोखिम बढ़ा सकता है। उन्होंने कहा कि देशों को अपने व्यापारिक साझेदारों और ऊर्जा आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाने पर ध्यान देना होगा। उन्होंने बताया कि जोखिम प्रबंधन, वैकल्पिक आपूर्ति शृंखलाओं का निर्माण और विभिन्न क्षेत्रों के साथ आर्थिक संबंधों को मजबूत करना आने वाले समय की महत्वपूर्ण रणनीतियां होंगी।



बच्चे से दोस्ती और परेंटिंग में फर्क है, ये बातें बताती हैं आप कहां गलती कर रहे हैं



बच्चे के साथ दोस्ताना रिश्ता उसे खुलकर बात करने में मदद कर सकता है, लेकिन माता-पिता की भूमिका केवल दोस्त तक सीमित नहीं होती. जरूरी नियम, जिम्मेदारी और सही-गलत की समझ भी उतनी ही अहम हैं. अपनापन और सीमाओं के बीच संतुलन स्वस्थ पालन-पोषण का आधार बन सकता है. बच्चे के साथ दोस्त जैसा रिश्ता रखना आज कई माता-पिता की प्राथमिकता बन गया है. वे चाहते हैं कि बच्चा अपनी हर बात बिना

डरे उनसे साझा करे. यह सोच अच्छी है, लेकिन दोस्ती और पालन-पोषण एक जैसी भूमिका नहीं हैं. कई बार बच्चे को खुश रखने या उसका भरोसा बनाए रखने के चक्कर में माता-पिता जरूरी सीमाएं तय करना छोड़ देते हैं. दूसरी तरफ कुछ माता-पिता हर बात में रोक-टोक करके बच्चे से दूरी बना लेते हैं. दोनों स्थितियों के बीच संतुलन जरूरी है. बच्चे को ऐसा माहौल चाहिए जहां वह अपनी बात कह सके, लेकिन साथ ही उसे सही-

गलत समझने वाला मार्गदर्शन भी मिले, अगर यह संतुलन बिगड़ रहा है तो रोजमर्रा की कुछ छोटी बातों इसके संकेत दे सकती हैं. बच्चे से दोस्ती जरूरी है, लेकिन माता-पिता की भूमिका अलग है. बच्चे से दोस्ताना व्यवहार का मतलब यह नहीं कि माता-पिता अपनी जिम्मेदारी छोड़ दें. एक दोस्त बच्चे की बात सुन सकता है, उसके साथ खेल सकता है और उसकी भावनाओं को समझ सकता है.

माता-पिता को इन सबके साथ बच्चे के लिए सीमाएं और नियम भी तय करने होते हैं. मसलन बच्चा देर रात तक मोबाइल चलाना चाहता है, अगर माता-पिता केवल दोस्त बनने के चक्कर में हर बार उसकी बात मान लेते हैं तो वह सीमाओं को गंभीरता से लेना नहीं सीख पाएगा. वहीं बिना बात सुने मोबाइल छीन लेना भी सही तरीका नहीं है. बेहतर है कि उसकी बात सुनी जाए और फिर उम्र के हिसाब से नियम समझाया जाए. ये बातें बता सकती हैं कि संतुलन बिगड़ रहा है

बच्चा हर बात पर अपनी मनमानी करता है
अगर बच्चा घर के छोटे-बड़े फैसलों में हमेशा अपनी बात मनवाने लगे और माता-पिता केवल झगड़ा डालने के लिए उसकी इच्छा मान लें तो यह संकेत हो सकता है कि सीमाएं स्पष्ट नहीं हैं. बच्चे को विकल्प देना अच्छी बात है, लेकिन हर फैसला उसकी पसंद के अनुसार होना जरूरी नहीं. उसे यह समझना भी सीखना चाहिए कि कुछ नियम उसकी सुरक्षा और जिम्मेदारी से जुड़े हैं. जैसे होमवर्क, सोने का समय या स्कूल टाइम.

गलती पर समझाने के बजाय

बात डाल देना कभी-कभी माता-पिता सोचते हैं कि डांटने से बच्चा उनसे दूर हो जाएगा. इसलिए वे उसकी गलती देखकर भी कुछ नहीं कहते, लेकिन गलती पर शांत तरीके से बात करना पालन-पोषण का जरूरी हिस्सा है, अगर बच्चे ने किसी से बदतमीजी की है तो उसे शर्मिंदा करने के बजाय यह समझाया जा सकता है कि उसके शब्दों से सामने वाले को कैसा महसूस हो सकता है. इससे बच्चा गलती को समझने और उसे सुधारने की कोशिश कर सकता है.

बच्चे को हर परेशानी से तुरंत बचा लेना
बच्चे की परेशानी देखकर मदद करना स्वाभाविक है. मगर हर छोटी मुश्किल का समाधान माता-पिता खुद कर दें तो बच्चे को समस्या सुलझाने का मौका कम मिलता है।

उदाहरण के लिए अगर बच्चा स्कूल का सामान भूल गया है तो हर बार माता-पिता उसे तुरंत स्कूल पहुंचाने के बजाय उससे सवाल कर सकते हैं कि अगली बार इसे याद रखने के लिए वह क्या कर सकता है. इस तरह मदद के साथ जिम्मेदारी की समझ भी विकसित होती है।

सब्जी नहीं संजीवनी है सहजन, एनीमिया से हड्डियों तक में फायदेमंद, आयरन फोलेट कैल्शियम का खजाना



मुनगा यानी सहजन की फली और इसकी पत्तियां आमतौर पर सब्जी के रूप में खाई जाती हैं लेकिन आयुर्वेद में इसे औषधीय गुणों से भरपूर माना गया है. छत्तीसगढ़ के बिलासपुर की गवर्नमेंट आयुर्वेद डिस्पेंसरी जानी लाइन की आयुर्वेद मेडिकल ऑफिसर डॉ आस्था मिश्रा ने मुनगे के आयुर्वेदिक गुणों और शरीर के लिए इसके उपयोग के बारे में जानकारी दी.

उन्होंने लोकल 18 को बताया कि मुनगा विटामिन और मिनरल्स का अच्छा स्रोत है. इसमें आयरन, फोलेट, विटामिन ए, विटामिन सी के साथ कैल्शियम और मैग्नीशियम भी पाए जाते हैं.

आयुर्वेद के अनुसार, मुनगा का रस कटु-तिक्त और वीर्य उष्ण माना जाता है. इसके अलावा इसे वात और कफ से जुड़ी समस्याओं में उपयोगी बताया गया है. पाचन, सूजन, दर्द और हड्डियों से जुड़ी समस्याओं में भी मुनगे का इस्तेमाल किया जाता है. डॉ. आस्था मिश्रा के मुताबिक, मुनगा विटामिन और मिनरल्स का समृद्ध स्रोत है. इसमें आयरन, फोलेट, विटामिन ए और विटामिन सी के साथ कैल्शियम और मैग्नीशियम भी पाए जाते हैं. यही वजह है कि इसे डाइट में शामिल करना पोषण की दृष्टि से फायदेमंद माना जाता है.मुनगे में आयरन और फोलेट जैसे पोषक तत्व पाए जाते

हैं. डॉ मिश्रा के अनुसार, आयरन की कमी से होने वाली एनीमिया जैसी स्थिति में मुनगा आहार का हिस्सा हो सकता है. हालांकि एनीमिया का इलाज केवल मुनगे के सेवन पर निर्भर नहीं करता और जरूरत पड़ने पर चिकित्सकीय जांच और उपचार जरूरी है.मुनगा में कैल्शियम और मैग्नीशियम जैसे मिनरल्स पाए जाते हैं, जो हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं. डॉ आस्था मिश्रा ने बताया कि आयुर्वेद में मुनगे का उपयोग हड्डियों से जुड़ी समस्याओं और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी स्थितियों में भी किया जाता है. आयुर्वेद के अनुसार, मुनगा को शूलहर और शोथहर गुणों वाला बताया गया है. शूल का अर्थ दर्द और शोथ का अर्थ सूजन होता है. शरीर में दर्द या जोड़ों से जुड़ी समस्या में आयुर्वेदिक दृष्टि से मुनगा का उपयोग किया जा सकता है. डॉ आस्था मिश्रा ने आगे बताया कि मुनगा में दीपन-पाचन गुण माने जाते हैं, यानी यह पाचन क्रिया को बेहतर करने में उपयोगी माना जाता है. जिन लोगों को पाचन से जुड़ी परेशानी रहती है, उनके आहार में मुनगा को शामिल किया जा सकता है. आयुर्वेद में मजबूत पाचन को शरीर के समग्र स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण माना गया है।

हर वक्त साथ रहना ही प्यार की निशानी नहीं! थोड़ी सी दूरी आपके रिश्ते में वापस भर सकती है



रिश्ते में हर वक्त साथ रहना प्यार की निशानी नहीं, बल्कि कई बार यह बोरियत की वजह बन जाता है. जानिए कैसे थोड़ी सी ‘दूरी’ आपके रिश्ते में नया रोमांस और ताजगी वापस ला सकती है. जब हम किसी से बेईतहा मोहब्बत करते हैं, तो अक्सर अनजाने में यह उम्मीद कर बैठते हैं कि हमारा हर पल उसी इंसान के साथ गुजरे. सुबह की चाय से लेकर रात की नींद तक, पार्टनर का साथ हर वक्त सुकून देता है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि यही 24 घंटे का साथ कभी-कभी रिश्तों में घुटन की वजह भी बन सकता है? जी हाँ, रिलेशनशिप एक्सपर्ट्स भी इस बात को मानते हैं कि रिश्ते में थोड़ी सी ‘दूरी’या स्पेस होना रिश्ते में दूरी बढ़ने की निशानी नहीं है, बल्कि यह रिश्ते को मजबूत बनाने का एक बेहतरीन नुस्खा है. आइए जानते हैं कि कैसे थोड़ी सी दूरी आपके रिश्ते में वापस नया रोमांस, ताजगी और मिठास घोल सकती है.

हर वक्त ‘साथ रहने’ के नुकसान- प्यार के शुरुआती दिनों में पार्टनर से चिपके रहना और हर छोटी-बड़ी बात शेयर करना बहुत अच्छा लगता है. लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता है, यह रूटीन एक आदत बन जाता है. जो जाती है इंडिविजुअलिटी: जब आप हर वक्त साथ रहते हैं, तो आप ‘हम’ तो बन जाते हैं, लेकिन अपनी खुद की पहचान यानी ‘मैं’ को पीछे छोड़ देते हैं. आपके अपने शौक, दोस्त और पर्सनल गोल्स कहीं हो जाते हैं.

सरप्राइज एलिमेंट खत्म होना: जब पार्टनर को आपको हर हरकत, हर सोच और दिनभर के शेड्यूल का पहले से पता होता है, तो बातचीत में वो एक्साइटमेंट या उत्सुकता नहीं बचती।

हरिद्वार की इस दुकान पर मिल रहा मथुरा का पेड़ा, गंगा स्नान के बाद भागे चले आते हैं लोग, मलाई समोसा भी खास



हरिद्वार की पहचान केवल गंगा घाटों, मंदिरों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यहां के पुराने खान-पान को देश-विदेश में रहने वाले बखूबी जानते हैं. हर की पौड़ी के पास ब्रिटिश दौर से संचालित प्राचीन मथुरा वाले की दुकान आज भी अपनी शुद्धता के लिए विख्यात है. मथुरा वाले की दुकान पर एक और देसी ची के नमकीन पकवान और मिठाई मिलती है तो वहीं दूसरी तरफ शुद्ध दूध को घंटों कढ़ाकर बनाए गए मावे से स्वादिष्ट मिठाइयां मिलती हैं, जिनका स्वाद हरिद्वार आने वाले यात्रियों को अपनी और

खींचता है. प्राचीन मथुरा वाले की दुकान परपारंपरिक लोकप्रिय मिठाई मथुरा वाले का पेड़ा है. इसे तैयार करने के लिए ताजे दूध के मावे को आग की धीमी आंच पर घंटों तक भुना जाता है, जिससे इसका रंग गहरा भूरा और खुशबू मनमोहक हो जाती है. शुद्धता से भरपूर यह पेड़ा बिना फ्रिज के भी लगभग बीस दिनों तक पूरी तरह ताजा रहता है, जिसके चलते बाहर से आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक इसे हरिद्वार के प्रामाणिक प्रसाद के रूप में अपने साथ लेकर जाते हैं.

प्राचीन मथुरा वाले की दुकान

पर चर्चित और अनोखा मलाई समोसा मिलता है. यह नमकीन समोसे से बिल्कुल अलग है. इस समोसे को तैयार करने में मैदे का इस्तेमाल नहीं है, बल्कि शुद्ध ताजे दूध की गाढ़ी मलाई की नाजुक परत से तैयार किया जाता है. इस समोसे का सुंदर आकार बाहर की मलाई से बन जाता है और इसके अंदर काजू, बादाम और पिस्ते की स्टीफिंग की जाती है. इसमें मिठास इतनी हल्की और प्राकृतिक रखी जाती है कि कम मीठा पसंद करने वाले और डायबिटीज मरीज भी इसका बेझिझक स्वाद लेते हैं.

प्राचीन मथुरा वाले की दुकान पर तीसरी मिठाई पिस्ता मावा की मिठाई है, जो अपनी शुद्धता के लिए फेमस है. इसमें किसी भी प्रकार का आर्टिफिशियल रंग या केमिकल आदि नहीं मिलाया जाता. कड़ाही में गाढ़े दूध से बने ताजा सफेद मावे को बहुत हल्की चाशनी के साथ जमाकर चौकोर टुकड़ों में काटा जाता है. शुद्ध मावे की बर्फी स्वाद में काफी अच्छी लगती है. मावे की यह मिठाई मुंह में रखते ही घुल जाती है, जिससे इसके अनोखे स्वाद का अहसास होता है.

प्राचीन मथुरा वाले की चौथी खास मिठाई पिस्ता की बर्फी है, जो मेवों के शौकीन लोगों की पहली पसंद बनी हुई है. शुद्ध मावे के मिश्रण में बारीक कटे हुए उत्तम श्रेणी के पिस्ते और हरी इलायची का मिश्रण किया जाता है. हरे और हल्के सुनहरे रंग की यह बर्फी दिखने में जितनी आकर्षक है, स्वाद और पौष्टिकता में भी उतनी ही समृद्ध मानी जाती है, जिसे खास उत्सवों पर श्रद्धालु बड़े चाव से खरीदते हैं.

प्राचीन मथुरा वाले की दुकान का सफेद पेड़ा इन दिनों श्रद्धालुओं और पर्यटकों की पहली पसंद बना है. ताजे दूध को घंटों धीमी आंच पर कढ़ाकर तैयार किए गए शुद्ध मावे से यह स्वादिष्ट पेड़ा बनता है।

डंटल, बीज भूल जाइए! सिर्फ 1 पत्ती से उगाएं ये 5 खूबसूरत पौधे, जानिए होम गार्डनिंग का शानदार तरीका



नर्सरी से बार-बार महंगे पौधे खरीदने की जरूरत नहीं है. आप घर में मौजूद पौधों की एक ही पत्ती से नया पौधा उगा सकते हैं. इसे गार्डनिंग की भाषा में ‘लीफ प्रोपेगेशन’ कहा जाता है. गार्डनिंग एक्सपर्ट चंद्रशेखर मिश्रा ने जेड प्लांट और स्नेक प्लांट जैसे पौधों के सही तरीके बताए हैं. अगर आपको अपनी बालकनी, छत या गार्डन को हरा-भरा रखने का शौक है तो यह तरीका आपके बहुत काम आ सकता है. अक्सर लोग नया पौधा लगाने के लिए नर्सरी जाते हैं. इसमें बार-बार काफी पैसे खर्च हो जाते हैं. लेकिन, अब आपको हर बार नया पौधा खरीदने की जरूरत नहीं है. आप घर में मौजूद पौधे की एक स्वस्थ पत्ती से ही नया पौधा तैयार कर सकते हैं.

गार्डनिंग की भाषा में इसे ‘लीफ प्रोपेगेशन’ कहा जाता है. इसमें पौधे की एक स्वस्थ पत्ती को सही तरीके से मिट्टी या किसी अन्य ग्रीडिंग माध्यम में लगाया जाता है. जब पत्ती को अनुकूल परिस्थितियां मिलती हैं, तो उससे पहले जड़ें निकलती हैं. इसके बाद धीरे-धीरे नया पौधा विकसित हो जाता है. एक्सपर्ट चंद्रशेखर मिश्रा बताते हैं कि हर पौधे की पत्ती से नया पौधा नहीं बनता है. हालांकि, कई सजावटी पौधों में यह तरीका काफी उपयोगी साबित होता है.

इन 3 मुख्य बातों का ध्यान रखना जरूरी पत्ती का चुनाव: पत्ती पूरी तरह स्वस्थ और बीमारी रहित होनी चाहिए।

जैसलमेर में रेंगिस्तान के बीच प्राइवैसी प्राइवेट वेकेशन के लिए हर बार समुद्र या पहाड़ ही जरूरी नहीं. जैसलमेर में रेंगिस्तान के बीच बने लजरी कैप एक अलग तरह का अनुभव देते हैं, अगर आप भीड़ से दूर रहना चाहते हैं तो कैप को लोकेशन और टेढ़ी की संख्या पहले देख सकते हैं. शाम का रेंगिस्तान, खुला आसमान और शांत माहौल छुट्टी को यादगार बना सकता है.

प्राइवेट स्टे बुक करते समय इन बातों का रखें ध्यान सिर्फ फोटो देखकर बुकिंग करने के बजाय प्रॉपर्टी की लोकेशन, कमरों की संख्या और आसपास की भीड़ के बारे में जानकारी लें. अगर प्राइवेट पूल चाहिए तो यह भी पूछें कि वह सिर्फ आपके कमरे या विला के लिए है या दूसरे मेहमान भी उसका इस्तेमाल करते हैं. इसी तरह समुद्र या प्रकृति के करीब होना और वास्तव में शांत होना दो अलग बातें हैं।

सेलेब्स की तरह प्राइवेट वेकेशन का फील? भारत में ये जगहें देती हैं पूरा प्राइवैसी वाला एक्सपीरियंस

भारत में प्राइवेट वेकेशन के लिए अंडमान, कूर्ग, अलिबाग, केरल और जैसलमेर जैसे विकल्प देखे जा सकते हैं. सही प्रॉपर्टी चुनकर समुद्र, पहाड़, बैकवॉटर या रेंगिस्तान के बीच ज्यादा शांत और निजी छुट्टी का अनुभव लिया जा सकता है. कभी-कभी छुट्टी का मतलब भीड़भाड़ वाले बाजार, होटल की लांबी और हर वक्त लोगों के बीच रहना नहीं होता. मन करता है कि कुछ दिन ऐसी जगह बिताए जाएं जहां सुबह की शुरुआत शोर से नहीं बल्कि प्रकृति के नजारों से हो और दिन अपने हिसाब से गुजरे, अगर आप भी ऐसी ही छुट्टी का प्लान बना रहे हैं तो भारत में कई ऐसी जगहें हैं जहां होटल, रिसॉर्ट, विला या कॉटेज के जरिए ज्यादा निजी अनुभव लिया जा सकता है.

यहां कपल्स से लेकर परिवार तक अपने लिए शांत माहौल चुन सकते हैं. खास बात यह है कि इसके लिए विदेश जाना जरूरी नहीं. देश के अलग-अलग हिस्सों में समुद्र, पहाड़, जंगल



और रेंगिस्तान के बीच ऐसे विकल्प मौजूद हैं. प्राइवेट वेकेशन के लिए क्यों खास हैं ये जगहें? प्राइवेट वेकेशन का मतलब सिर्फ

महंगा होटल बुक करना नहीं है. असली फर्क तब महसूस होता है जब रहने की जगह में कम भीड़ हो, अपना निजी स्पेस मिले और आसपास का माहौल सुकून देने वाला हो. कई जगहों

पर प्राइवेट पूल वाले विला, अलग कॉटेज और नेचर के बीच बने छोटे रिसॉर्ट मिलते हैं. ऐसे ठिकाने उन लोगों को पसंद आ सकते हैं जो छुट्टी के दौरान ज्यादा शांति चाहते हैं.

समुद्र के बीच कुछ शांत दिन बिताने की इच्छा है तो अंडमान और निकोबार एक अच्छा विकल्प हो सकता है. खासकर हैवलांक और नील आइलैंड जैसे इलाकों में बीच के

आसपास ठहरने के विकल्प मिलते हैं. यहां सुबह समुद्र का नजारा और शाम को समुद्र किनारे सुकून भरा समय छुट्टी को अलग एहसास दे सकता है. ज्यादा प्राइवैसी के लिए होटल चुनते समय निजी बालकनी, अलग कॉटेज या कम कमरों वाली प्रॉपर्टी देखना बेहतर रहेगा. कूर्ग में हरियाली के बीच सुकून अगर समुद्र के बजाय पहाड़ और हरियाली पसंद है तो कूर्ग का माहौल आकर्षित कर सकता है. कॉफी बागानों और हरियाली के बीच बने होमस्टे, कॉटेज और विला यहां छुट्टी को शांत बना सकते हैं. कपल्स के लिए अलग विला और परिवार के लिए पूरा कॉटेज लेने का विकल्प निजी समय बिताने में मदद कर सकता है. यहां घूमने के साथ सिर्फ कमरे या विला में आराम करते हुए दिन बिताना भी वेकेशन का हिस्सा बनाया जा सकता है. अलिबाग में मुंबई से दूर निजी एक्सास मुंबई और आसपास रहने वालों

के लिए अलिबाग ऐसा विकल्प है जहां समुद्र के करीब विला और निजी स्टे मिल सकते हैं. दोस्तों या परिवार के साथ जाने पर पूरा विला बुक करना होटल के सामान्य कमरे की तुलना में ज्यादा निजी अनुभव दे सकता है. कुछ प्रॉपर्टी में पूल, गार्डन और आउटडोर बैठने की जगह भी होती है. हालांकि बुकिंग से पहले यह जरूर जांचें कि पूल और अन्य सुविधाएं वास्तव में प्राइवेट हैं या साझा. केरल में बैकवॉटर के बीच ठहरने का अनुभव केरल का बैकवॉटर इलाका उन लोगों के लिए खास हो सकता है जो शांत और धीमी रफ्तार वाली छुट्टी चाहते हैं. एलेपी और कुमारकोम के आसपास रिसॉर्ट, विला और हाउसबोट जैसे विकल्प मिलते हैं. पानी के किनारे ठहरना या निजी विला चुनना रोजमर्रा की भागदौड़ से अलग अनुभव दे सकता है. यहां वेकेशन का मजा ज्यादा घूमने के बजाय आसपास के माहौल को आराम से महसूस करने में है.

जैसलमेर में रेंगिस्तान के बीच प्राइवैसी प्राइवेट वेकेशन के लिए हर बार समुद्र या पहाड़ ही जरूरी नहीं. जैसलमेर में रेंगिस्तान के बीच बने लजरी कैप एक अलग तरह का अनुभव देते हैं, अगर आप भीड़ से दूर रहना चाहते हैं तो कैप को लोकेशन और टेढ़ी की संख्या पहले देख सकते हैं. शाम का रेंगिस्तान, खुला आसमान और शांत माहौल छुट्टी को यादगार बना सकता है.

प्राइवेट स्टे बुक करते समय इन बातों का रखें ध्यान सिर्फ फोटो देखकर बुकिंग करने के बजाय प्रॉपर्टी की लोकेशन, कमरों की संख्या और आसपास की भीड़ के बारे में जानकारी लें. अगर प्राइवेट पूल चाहिए तो यह भी पूछें कि वह सिर्फ आपके कमरे या विला के लिए है या दूसरे मेहमान भी उसका इस्तेमाल करते हैं. इसी तरह समुद्र या प्रकृति के करीब होना और वास्तव में शांत होना दो अलग बातें हैं।

मोना सिंह ने यूके में सेट अपने नए प्रोजेक्ट की दिखाई झलक

विश्व केसरी■

मुंबई। मेड इन हेवन, लाल सिंह चड्ढा, 3 इडियट्स और हाल ही में ‘कोहरा’ सीजन 2 में नजर आने वाली बॉलीवुड एक्ट्रेस मोना सिंह ने यूनाइटेड किंगडम (यूके) में अपने आने वाले प्रोजेक्ट की झलकियां शेयर की हैं।

हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर कॉट्सवोल्ड्स से कुछ बीटीएस (बिहाइंड-द-सीन्स) तस्वीरें शेयर की और इस नई क्रिएटिव दुनिया में कदम रखने को लेकर अपनी एक्साइटमेंट जाहिर की।

उन्होंने कैप्शन में एक नोट भी लिखा, ‘यह प्रोजेक्ट-फिल्म खास और अनोखी लग रही है क्योंकि हमने पुराने नियमों को छोड़ दिया है।’

उनके इस बयान से कहानी कहने के एक नए और हटकर अंदाज का पता चलता है। यह फिल्म फैन्स को कुछ नया देने का वादा करती है, जो पारंपरिक फिल्मी तौर-तरीकों से अलग होगी और कहानी कहने के नए और अनछुए पहलुओं को दिखाएगी।

खबरों के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट को विकास बहल डायरेक्ट कर रहे हैं, जो ‘ववीन’ फिल्म के लिए जाने जाते हैं। इस फिल्म में भारतीय और इंटरनेशनल एक्टर्स और म्यूजिशियन एक साथ काम कर रहे हैं। इसमें जिमी शेरगिल, सिद्धांत चतुर्वेदी, मोना सिंह और अलीजह अग्निहोत्री भी शामिल हैं।

यह फिल्म 1990 के दशक की शुरुआत में ब्रिटेन पर आधारित है और यूके में पंजाबी म्यूजिक मूवमेंट के उदय को दिखाती है। यह एक उतार-चढ़ाव भरा और रोमांचक दौर था, जब अलग-अलग संस्कृतियों के बीच पली-बढ़ी एक पीढ़ी गैराज, बैक-रूम, पाइरेट रेडियो स्टेशन और अंडरग्राउंड गिग्स से अपनी आवाज बुलंद कर रही थी। इससे पहले अभिनेत्री ने अपने करियर को आकार देने में इंडस्ट्री की भूमिका और अपने फैसलों के बारे में बात की थी। उन्होंने एक बयान में कहा, ‘मुझे लगता है कि 40 प्रतिशत भूमिका इंडस्ट्री की होती है। वे जमीन, स्क्रिप्ट और प्लेटफॉर्म देते हैं और 60 प्रतिशत भूमिका मेरी होती है। आप जानते हैं, मैं चुनती हूँ कि कौन से बीज बोने हैं और सबसे जरूरी बात, कि किन्हें हटाना है।’

एक्ट्रेस ने बताया कि असली बदलाव तब आया जब मैंने मुझे ऑफर किए जा रहे 90 प्रतिशत शो के लिए ‘ना’ कहना शुरू किया।

मोना को धारावाहिक ‘जर्सी जैसी कोई नहीं’ में अपनी भूमिका के लिए पहचान मिली, जो पहली बार 2003 में प्रसारित हुआ था। इसके बाद वह रियलिटी सीरीज ‘झलक दिखला जा’ के पहले सीजन और ‘क्या हुआ तेरा वादा’ में नजर आईं।



पायलट बनने की चुनौतियों को याद कर भावुक हुईं गुल पनाग, 10 साल बाद कराया लाइसेंस रिन्यू



विश्व केसरी■

मुंबई। ‘डोर’ फिल्म की मशहूर अभिनेत्री गुल पनाग ने हाल ही में 10 साल बाद अपना प्राइवेट पायलट का लाइसेंस रिन्यू करवाते हुए थोड़ी भावुक हो गईं। दरअसल, वे अभिनेत्री होने के साथ-साथ गुल पनाग एक लाइसेंस प्राप्त प्राइवेट

पायलट भी हैं।

गुल पनाग ने लाइसेंस मिलने के समय को याद करते हुए अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, ‘जिंदगी आखिरकार नजरिए की बात है। 10 साल पहले, जब मुझे अपना फ्लाईंग लाइसेंस मिला था, मैं बहुत खुश थी। यह बहुत लंबे समय से मेरी

खाहिश थी। और ऐसे लोगों को कमी नहीं थी जो मुझसे कहते थे कि मैं यह नहीं कर सकती। या नहीं कर पाऊंगी। ‘द फैमिली मैन’ फिल्म की अभिनेत्री ने पायलट बनने के अपने सपने को साकार करने के लिए जिन बाधाओं को पार करना पड़ा, उन पर भी विचार किया।

उन्होंने लिखा, ‘उड़ान प्रशिक्षण शुरू करना एक बात है। निर्धारित उड़ान घंटों को पूरा करना और साथ ही करियर बनाना, सभी परीक्षाएं पास करना, कागजी कार्रवाई को संभालना, मेडिकल सर्टिफिकेट को अपडेट रखना और पूरी प्रक्रिया को अंत तक पूरा करना बिल्कुल अलग बात है। व्यक्तिगत रूप से, ये सभी अपेक्षाकृत सरल चीजें हैं। हालांकि जब आप इसे पेशे के तौर पर नहीं कर रहे होते हैं, तो ये सब मिलकर एक बड़ा काम बन जाता है लेकिन मैंने कर दिखाया। और जब आखिरकार मुझे लाइसेंस मिला, तो मैं बेहद खुश थी। मेरी एक बहुत बड़ी खाहिश पूरी हो गई।’

आधिकारिक तौर पर पायलट बनने के दस साल बाद, उन्हें एहसास हुआ कि लाइसेंस प्राप्त करना एक बात है; उसे बनाए रखना बिल्कुल अलग बात है।

उन्होंने आगे कहा कि वह ऐसे कई लोगों को जानती हैं जिन्होंने उड़ान भरना शुरू तो किया लेकिन अपना प्रशिक्षण कभी पूरा नहीं किया, या ऐसे लोग जिन्होंने उड़ान घंटे तो पूरे कर लिए लेकिन परीक्षा पास नहीं कर पाए। और फिर ऐसे लोग भी हैं जिन्होंने लाइसेंस तो प्राप्त कर लिया लेकिन अंततः उसे समाप्त होने दिया।

अभिनेत्री ने कहा, ‘जीवन, काम, स्वास्थ्य संबंधी जरूरतें, या बस पर्याप्त उड़ान न भरना।

कैंसर से गुरमीत चौधरी की खास फैन मौनिका का निधन

विश्व केसरी■

मुंबई। टीवी और फिल्म अभिनेता गुरमीत चौधरी ने अपनी लंबे समय से फैन रही मौनिका के निधन पर भावुक पोस्ट शेयर किया। मौनिका लंबे समय से कैंसर से जूझ रही थीं। उनके निधन की खबर से गुरमीत काफी भावुक नजर आए। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक लंबा नोट लिखकर बताया कि वक्त के साथ वह फैन से ज्यादा परिवार का हिस्सा बन गई थीं।

गुरमीत ने अपनी पोस्ट की शुरुआत मौनिका को याद करते हुए की। उन्होंने लिखा, ‘मैंने कभी नहीं सोचा था कि एक दिन मुझे मौनिका के लिए ऐसा भावुक नोट लिखना पड़ेगा। मुझे अब भी यकीन नहीं हो रहा कि वह इस दुनिया में नहीं हैं।

उन्होंने मेरे करियर के हर छोटे-बड़े पड़ाव को हमेशा सेलिब्रेट किया। मेरे हर प्रोजेक्ट और उपलब्धि पर उनका प्यार और सपोर्ट मेरे साथ रहा।’

गुरमीत ने खास तौर पर साउथ अफ्रीका के डरबन में हुई मुलाकातों को याद किया। उन्होंने कहा, ‘जब भी मैं डरबन जाता था, मौनिका मेरे साथ मौजूद रहती थीं। इसी दौरान हमारे बीच का रिश्ता इतना गहरा हो गया कि वह मेरे लिए परिवार जैसी बन गई। एक वक्त मौनिका ने मुझे बताया था कि वह कैंसर से जूझ रही हैं। इसके बाद हमारे बीच फोन कॉल और वीडियो कॉल पर भी बातचीत होती भारी है। मैं उन्हें हिम्मत देता और हमेशा कहता कि वह एक फाइटर हैं और उन्हें लड़ते रहना चाहिए। मुझे

भरोसा था कि सब ठीक हो जाएगा।’

उन्होंने पोस्ट में कहा, ‘मौनिका अक्सर मुझसे कहती थीं कि गुरमीत आप मुझे प्रेरणा देते हैं, लेकिन सच यह है कि मौनिका खुद भी मेरे लिए ताकत का बड़ा जरिया थीं। उनका साहस, उनकी गर्मजोशी और उनका प्यार ने स्टाइल किया था। उन्होंने इस खास मायने रखता था। गुरमीत ने मौनिका के साथ हुई बातचीत और मुलाकातों को याद करते हुए कहा, ‘मुझे अब उनकी आवाज, हमारे बीच होने वाली बातचीत और मुलाकात के दौरान उनके चेहरे की खुशी बहुत याद आएगी। आज मेरा दिल बहुत भारी है। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदना है।

पेरिस में जान्हवी कपूर ने पहनी मलमल खादी साड़ी, रिया कपूर बोलीं- ‘ये भारत की धरोहर का सम्मान है’

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर अपने फैशन सेंस के लिए अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। इस बार एक्ट्रेस ने पेरिस में हुए बीओएफ 500 गाला में अपने देशी अंदाज से सभी का ध्यान खींचा। इस खास मौके पर वह पंकज एस हेरिटेज के कस्टम आउटफिट में नजर आईं, जिसे रिया कपूर ने स्टाइल किया था। उन्होंने इस खास साड़ी के लिए एक खूबसूरत ऑफ-व्हाइट साड़ी पहनी। उनका यह लुक अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।



ऐसा था जान्हवी का पूरा लुक

लुक की बात करें तो जान्हवी ने ऑफ-व्हाइट कलर की छह गज की साड़ी को बेहद खूबसूरती से फेरी किया। साड़ी की प्लोइंग ड्रेपिंग के साथ गोल्ड डिटेलिंग, मोती, शैल्स और टैसल्स का इस्तेमाल किया गया था, जो उनके पूरे लुक को अलग और स्टाइलिश बना रहा था। उन्होंने इसके साथ मैचिंग बस्टियर स्टाइल ब्लाउज पहना, जिसमें पतली स्ट्रैप्स और सीटहाई नेकलाइन थी।

‘बापत-ए-हवा’, ‘शबनमी’ और ‘चांदनी’ जैसे नामों से भी जानी जाती है यह मलमल

फैशन स्टाइलिस्ट रिया कपूर ने जान्हवी के इस पूरे लुक की डिटेल सोशल मीडिया पर शेयर की है। उन्होंने बताया कि उनकी साड़ी 460 काउंट बंगाल मलमल से तैयार की गई थी। इस खास मलमल को ‘बापत-ए-हवा’, ‘शबनमी’ और ‘चांदनी’ जैसे नामों से भी जाना जाता है, जो पूरी तरह भारत में ही बुनी गई है। ये भारत की धरोहर का सम्मान है।

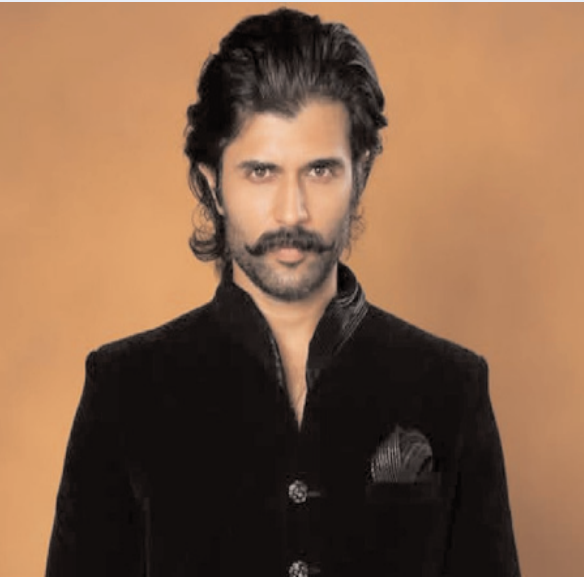
“यह साड़ी सिर्फ एक आउटफिट नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध टेक्स्टाइल विरासत का प्रतीक है।”

— रिया कपूर (कैशन स्टाइलिस्ट)

जान्हवी का यह लुक आधुनिक फैशन और पारंपरिक भारतीय क्राफ्ट का खूबसूरत कॉम्बिनेशन था।



विजय देवरकोंडा ने सिंगीथम श्रीनिवास राव को किया याद, बोले-पेली चूपुलु के बाद से आपका प्यार मिला



विश्व केसरी■

मुंबई। एक्टर विजय देवरकोंडा ने अनुभवी फिल्ममेकर सिंगीथम श्रीनिवास राव के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने फिल्ममेकर द्वारा पिछले कुछ वर्षों में उनके प्रति दिखाए गए स्नेह और आत्मीयता को याद किया।

सोशल मीडिया पर ‘डियर कॉमरेड’ के एक्टर ने याद किया कि कैसे सिंगीथम उन्हें फोन करते थे और उन पर प्यार और स्नेह बरसाते थे। उन्होंने फिल्ममेकर के विजन का हिस्सा बनने पर खुशी भी जाहिर की।

विजय ने लिखा, ‘सिंगीथम सर, आपकी मान्यताएं, आपके विचार और आपकी कहानियां हमेशा हमारे साथ रहेंगी। ‘पेल्ली चूपुलु’ के बाद से जब भी आपने मुझे प्यार और स्नेह देने के लिए

फोन किया, मुझे उम्मीद है कि आपकी किसी फिल्म में मुझे देखकर आपको खुशी हुई होगी और आपके चेहरे पर मुस्कान आई होगी।’

विजय ने कहा, ‘सिंगीथम, मुझे खुशी है कि मैं आपके विजन का हिस्सा बन पाया। आपके लिए हमेशा मेरा सम्मान रहेगा।’ ‘पेल्ली चूपुलु’ को तरुण भास्कर ने लिखा और डायरेक्ट किया था, और इसे राज कंदुकुरी और यश रिंगिनी ने प्रोड्यूस किया था। इसमें विजय देवरकोंडा और रितु वर्मा मुख्य भूमिकाओं में थे।

विजय ने सिंगीथम श्रीनिवास राव द्वारा डायरेक्ट की गई म्यूजिकल फैंटेसी-कॉमेडी फिल्म ‘सिंगीथम’ में एक खास कैमियो रोल किया था।

95 साल की उम्र में गुंजे

सिंगीथम श्रीनिवास राव अपनी खास फिल्म मेकिंग स्टाइल, क्रिएटिव विजन और अलग-अलग जॉनर के साथ एक्सपेरिमेंट करने की इच्छा के लिए जाने जाते थे।

कई दशकों के करियर में, इस फिल्ममेकर ने ‘राजा पारवई’, ‘अपूर्व सहोदररगल’, ‘माइकल मदन काम राजन’, ‘कधला कधला’ और ‘लिटिल जॉन’ जैसी कई बेहतरीन फिल्में बनाईं।

उनके निधन पर भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के कई बड़े नामों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है और सिनेमा में उनके योगदान और उनकी क्रिएटिव विरासत को याद किया है।

जूनियर एनटीआर ने भी फिल्ममेकर के निधन पर दुःख जताया और सिनेमा में उनके अहम योगदान को याद किया। उन्होंने श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, ‘यह खबर बहुत दुःख है कि सिंगीथम श्रीनिवास राव गारू अब हमारे बीच नहीं रहे। आदित्य 369, पुष्पक विमानम, मयूरी... एक ऐसे दूरदर्शी जो अपने समय से आगे की सोचते थे और ऐसी फिल्में बनाते थे जो पीढ़ियों बाद भी नई लगती हैं। उनके परिवार के सदस्यों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। ओम शांति।’

शोक व्यक्त करने वालों में अभिनेता कमल हासन, फिल्म निर्माता एस. एस. राजामौली और अभिनेता विष्णु मांचू शामिल थे, जिन्होंने भारतीय सिनेमा में सिंगीथम श्रीनिवास राव के अहम योगदान और उनकी खास रचनात्मक सोच को याद किया।

‘बिना सहमति के ऐसा करना गलत’, यामी गौतम ने तस्वीरों को एआई से एडिट करने वालों को किया आगाह



विश्व केसरी■

मुंबई। एआई की मदद से फेक और मोर्फेड कंटेंट बनाए जाने के बढ़ते मामलों के बीच एक्ट्रेस यामी गौतम ने अपनी तस्वीरों और वीडियो को लेकर लोगों से खास अपील की। एक्ट्रेस ने कहा कि उनकी पब्लिक अपीयरेंस को तस्वीरों के साथ एआई का इस्तेमाल कर किसी भी तरह की छेड़छाड़ न की जाए। अगर किसी तस्वीर को बेहतर दिखाने के लिए भी एडिट किया जा रहा है, तो ऐसा करने से बचना चाहिए।

ता दें कि यामी को यह सोशल

मीडिया पोस्ट ऐसे समय में आया है, जब हाल ही में फिल्म ‘देवरा’ के गाने ‘चुट्टामल्ले’ से जुड़ा एक मोर्फेड वीडियो इंटरनेट पर सामने आया था। हालांकि यामी ने अपनी पोस्ट में किसी भी वीडियो का जिक्र नहीं किया, लेकिन उन्होंने एआई के जरिए किसी की तस्वीर या पहचान में बदलाव किए जाने को लेकर अपनी बात स्पष्ट तौर पर रखी।

यामी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ‘कृपया पब्लिक अपीयरेंस के दौरान ली गई मेरी तस्वीरों को एआई की मदद से

बदलने या बेहतर बनाने से बचें। तस्वीरों का इस्तेमाल उनके ओरिजिनल रूप में ही करें। किसी व्यक्ति की जानकारी और सहमति के बिना एआई की मदद से उसकी तस्वीर या पहचान में बदलाव या छेड़छाड़ नहीं की जानी चाहिए। मेरी इस अपील का सम्मान करने के लिए पहले से धन्यवाद।’

यामी गौतम इन दिनों अपनी अगली फिल्म ‘नई नवेली’ को लेकर भी चर्चा में हैं। फिल्म में वह मोहिनी के किरदार में नजर आएंगी। यह एक फैमिली एंटरटेनर फिल्म है, जिसमें परिवार, ह्यूमर, इमोशन, फैंटेसी और एक्शन का मिश्रण देखने को मिलेगा।

अपने किरदार मोहिनी के बारे में बात करते हुए यामी ने कहा, ‘मुझे इस किरदार की सबसे खास बात यही लगी कि वह वैसी बिल्कुल नहीं है, जैसी पहली नजर में सबको दिखाई देती है। मोहिनी के किरदार में एक अपनापन और गर्मजोशी है, लेकिन उसके साथ एक रहस्य भी जुड़ा हुआ है, जो धीरे-धीरे सामने आता है। फिल्म के डायरेक्टर और पूरी टीम के साथ काम करना शानदार अनुभव रहा।’

‘नई नवेली’ को आनंद एल राय और हिमांशु शर्मा ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म दशहरे से पहले 16 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

विशेष आधार व्यक्त किया।
आलोक शुक्ला ने अपनी रंग
सक्रियता में नवीन सहारा
बनी धर्मपाली सुत शुक्ला, रंग
साथी प्रताप सिंह, सुनील चौहान
एडवोकेट टेकनंद राजपूत,
नीरूपमा बढेरा, विजय लक्ष्मी
मृदुल कुमार, कविता, नितिका,
सिमरन, मेधा, अंशु भटनागर,
नीना, निखिल कुमार, विनय
बर्मा, विकास कुमार, योगेश
शर्मा, वागीश शर्मा, सहित उन
सभी साथियों को उनके आधार
व्यक्त किया जो उनके हर कदम
पर उनके साथ खड़े रहे।

शानदार सेरेमनी के साथ हुआ एशियन गेम्स 2026 का समापन

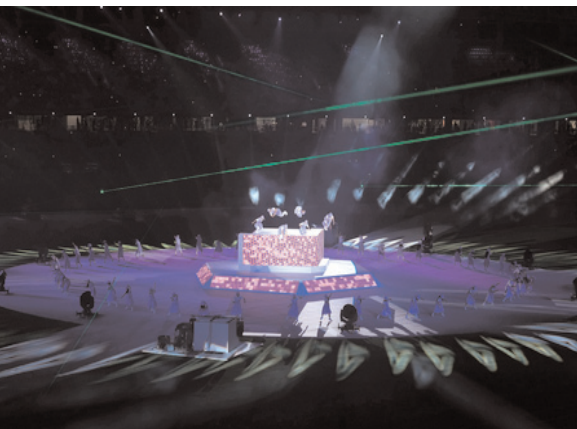
85 पदक के साथ भारत चौथे स्थान पर रहा



विश्व केसरी ■ शानदार क्लोजिंग सेरेमनी के साथ एशियन गेम्स 2026 का रविवार को समापन हो गया। क्लोजिंग सेरेमनी में भारत की ओर से शूटिंग में दो गोल्ड समेत तीन मेडल जीतने वाली नीरू ढांडा ध्वजवाहक रहीं। नागोया के मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में हुई

एशियन गेम्स 2026 की क्लोजिंग सेरेमनी का आगाज जापान के नेशनल एंथम के साथ हुआ। इसके बाद खिलाड़ियों की परेड शुरू हुई, जिसमें हर देश का प्रतिनिधित्व उनके ध्वजवाहक ने किया। भारतीय तिरंगे को शान से नीरू ढांडा ने लहराया। ओलंपिक कार्डिसल ऑफ एशिया (ओसीए) का झंडा कतर को सौंपा गया, जो

का कब्जा रहा, जिन्होंने कुल 341 मेडल अपने नाम किए। इसमें 169 गोल्ड, 89 सिल्वर और 83 ब्रॉन्ज मेडल शामिल रहे। मेजबान जापान कुल 269 मेडल के साथ दूसरे स्थान पर रहा। जापान ने 83 गोल्ड, 95 सिल्वर और 91 ब्रॉन्ज मेडल जीते। साउथ कोरिया ने 150 मेडल जीते, जिसमें 39 गोल्ड, 43 सिल्वर और 68 ब्रॉन्ज मेडल शामिल रहे। भारत 85 मेडल के साथ चौथे स्थान पर रहा। वहीं, उज्बेकिस्तान 70 मेडल लेकर अंक तालिका में पांचवें नंबर पर रहा। भारत ने आर्चरी में शानदार



ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए सूर्याश शेडगे इंडिया-ए टीम में शामिल



विश्व केसरी ■ पुडुचेरी। सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर सूर्याश शेडगे को ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज के लिए इंडिया-ए टीम में शामिल किया गया है। सूर्याश मंगलवार से शुरू होने जा रही सीरीज में चोटिल हार्दिक पंड्या की जगह लेंगे। हार्दिक पंड्या को पिछले महीने टीम में चुना गया था, लेकिन उनका खेलना फिटनेस क्लियरेंस पर निर्भर था। 19 सितंबर को दाहिनी पिंडली में तकलीफ के कारण पंड्या को आखिरकार बाहर कर दिया गया। इसके बाद में एमआरआई स्कैन से पता चला कि उन्हें बहुत हल्का 'इट्रामेटुलरी एडिमा' है, जो 'राइट

रेस्ट ऑफ इंडिया ने जम्मू-कश्मीर को हराकर जीता ईरानी कप का खिताब

विश्व केसरी ■ श्रीनगर। ऋषभ पंत की कप्तानी में रेस्ट ऑफ इंडिया ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ईरानी कप के खिताब को अपने नाम किया। शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में 279 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए जम्मू-कश्मीर की पूरी टीम दूसरी पारी में सिर्फ 111 रन बनाकर ऑलआउट हुई और रेस्ट ऑफ इंडिया ने इस मुकाबले को 167 रनों से जीता। चौथे दिन रेस्ट ऑफ इंडिया के गेंदबाजों ने मुकेश कुमार की अगुवाई में शानदार प्रदर्शन किया। जम्मू-कश्मीर को कमरान इकबाल और शुभम खजूरिया ने दूसरी पारी में सधी हुई शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 54 रन जोड़े। हालांकि, कमरान 32 रन बनाने के बाद आकाशदीप की एक गेंद पर विकेटों के सामने पाए गए। शुभम भी 36 रन बनाने के बाद आकाशदीप का शिकार बने। दोनों सलामी बल्लेबाजों के पवेलियन लौटने के बाद जम्मू-कश्मीर का बल्लेबाजी क्रम बुरी तरह से लड़खड़ा गया। पहली पारी में अर्धशतक लगाने वाले कप्तान



पारस डोगरा दूसरी इनिंग में बिना खाता खोले पवेलियन लौटे वहीं, अब्दुल समद सिर्फ 20 रन ही बना सके। विकेटकीपर बल्लेबाज कन्हैया वधवान 2 रन ही बना सके। साहिल लोत्रा भी जीरो पर आउट हुए। नासिर मुजफ्फर एक रन ही बना सके, तो आबिद मुश्ताक 5 रन बनाकर आउट हुए। उमर नजीर मीर और सुनील कुमार बिना खाता खोले आउट हुए। रेस्ट ऑफ इंडिया की ओर से

गेंदबाजी में दूसरी पारी में मुकेश कुमार ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 6 विकेट चटकाए, जबकि आकाशदीप ने 3 विकेट अपने नाम किए। मुकेश चौधरी ने एक विकेट झटका। मुकेश ने पूरे मुकाबले में कुल 8 विकेट लिए, तो मुकेश 7 और आकाशदीप 6 विकेट निकालने में कामयाब रहे। इससे पहले, स्मरण रविचंद्रन की 135 रनों की लाजवाब पारी

चाइना ओपन: नोस्कोवा और आंद्रीवा ने 'अंतिम 16' में जगह बनाई



विश्व केसरी ■ इन दो युवा खिलाड़ियों ने जीत के लिए अलग-अलग रास्ते अपनाए। नोस्कोवा ने आक्रामक 'फर्स्ट-स्ट्राइक' टेनिस के साथ मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा, जबकि आंद्रीवा को पहल करने की तैयार प्रतिद्वंद्वी के लगातार दबाव का सामना करना पड़ा। नोस्कोवा की सर्विस ने उनके शानदार प्रदर्शन की नींव रखी। विंबलडन चैंपियन ने अपनी 77 प्रतिशत फर्स्ट सर्व सही लगाई और पूरे मैच के दौरान उस सर्विस पर केवल पांच अंक गंवाए। दूसरे सेट की शुरुआत में वह कुछ समय के लिए दबाव में थीं, जब लगातार तीन 'अनफोर्सड एरर' के कारण उन्हें तीन 'ब्रेक प्वाइंट' का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने तुरंत वापसी की। तीन 'अनरिटर्नड सर्व' और दो

'विनर' ने नोस्कोवा को खतरे से बाहर निकलने में मदद की, और उन्होंने लगातार पांच अंक जीतकर अपनी सर्विस बचाई। 21 वर्षीय खिलाड़ी ने प्वाइंट्स बनाने के तरीके में बदलाव करके यह भी सुनिश्चित किया कि गोलुबिच अपनी लय न हासिल कर सकें। शक्तिशाली 'ग्राउंडस्ट्रोक' के साथ-साथ, नोस्कोवा ने बार-बार 'ड्रॉप शॉट' और 'ड्राइव वॉली' का इस्तेमाल किया, जबकि आगे बढ़कर खेलने की उनकी इच्छा ने उनके हमले में एक नया आयाम जोड़ा।

दूसरे सेट में उनका 'रिटर्न गेम' और भी आक्रामक हो गया, जिसमें नेट की ओर बढ़ने के बाद लगाया गया एक 'एंगल्ड बैकहैंड वॉली विनर' भी शामिल था। आंद्रीवा को बिल्कुल अलग तरह की चुनौती का सामना करना पड़ा। कुदेरमेतोवा ने बेसलाइन से कहीं अधिक आक्रामक खेल दिखाया और 25 'ग्राउंडस्ट्रोक विनर' लगाए, जबकि आंद्रीवा ने केवल तीन विनर लगाए। उज्बेक खिलाड़ी ने कोर्ट पर अपनी ताकत के साथ-साथ बेहतरीन शॉट्स का भी इस्तेमाल किया, खासकर अपने बैकहैंड, ड्रॉप शॉट्स और नेट प्ले से, लेकिन आखिर में आंद्रीवा की हालात के हिसाब से खुद को ढालने की काबिलियत ही निर्णायक साबित हुई।

एस्टोनिया ने लक्जमबर्ग को 1-0 से हराया, ग्रुप एल में दूसरे स्थान पर पहुंची



विश्व केसरी ■ टालिन। यूईएफए नेशंस लीग में एस्टोनिया ने टालिन के ए. ले कॉक एरिना में खेले गए मुकाबले में लक्जमबर्ग को 1-0 से हराया। इस जीत के साथ ग्रुप एल में एस्टोनिया दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। एस्टोनिया के तीन मैचों में पांच पॉइंट हो गए हैं। मैच का एकमात्र गोल रासमस पीट्सन ने किया। एस्टोनिया इस मैच में बिना हारे उतरी थी, लेकिन आइसलैंड के साथ 1-1 से ड्रा और बुलारिया में गोलरहित ड्रा के साथ अपने अभियान की शुरुआत करने के बाद उसे कोई जीत नहीं मिली थी। लक्जमबर्ग के शुरुआती दो मैचों से तीन पॉइंट थे। एस्टोनिया की उम्मीदें काफी हद तक मंगलवार को टालिन में ग्रुप लीडर आइसलैंड के खिलाफ उसके अगले मैच पर निर्भर करेंगी। इसके बाद यह 13 नवंबर को लक्जमबर्ग जाएगी और 16 नवंबर को बुलारिया के खिलाफ अपने घर पर लीग फेज पूरा करेगी। ग्रुप विनर को लीग बी में डायरेक्ट प्रमोशन मिलेगा, जबकि रन-अप टीम प्रमोशन प्ले-ऑफ में जाएगी। अगर वह अपना मौजूदा फॉर्म बनाए रख सकती है, एस्टोनिया को लीग सी से ऊपर जाने का एक अच्छा मौका मिलेगा।

‘ओलंपिक के लिए जल्दी क्वालीफाई करने से तैयारी का समय मिलता है’: मनप्रीत

विश्व केसरी ■ काकामिगाहारा। भारतीय हॉकी टीम के अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ने कहा कि ओलंपिक 2028 के लिए जल्दी क्वालीफाई करने से भारतीय टीम को लॉस एंजिल्स गेम्स से पहले तैयारी के लिए अतिरिक्त समय मिलेगा। काकामिगाहारा के गिफू प्रीफेक्चुरल ग्रीन स्टेडियम में खेले गए फाइनल में मलेशिया पर शानदार 5-1 से जीत के साथ एशियन गेम्स 2026 का गोल्ड मेडल बरकरार रखते हुए भारतीय पुरुष टीम ने ओलंपिक का टिकट हासिल किया। तीन एशियाई खेलों में गोल्ड मेडल जीतने वाले एकमात्र भारतीय हॉकी खिलाड़ी बने मनप्रीत ने इस बात पर जोर दिया कि इस जीत का महत्व एशियन गेम्स की कामयाबी से कहीं ज्यादा है। गोल्ड मेडल जीतने के बाद मनप्रीत ने 'आईएनएस' से ??कहा, से हमें क्वालिफायर राउंड नहीं 'एशियाई खेल हमारे लिए एक



अहम टूर्नामेंट था। हमने लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई कर लिया है। इसी वजह से हमें क्वालिफायर राउंड नहीं खेलना होगा और हम खुद पर और

उन चीजों पर काम कर सकते हैं जिन पर सुधार की जरूरत है।' एशियन गेम्स 2023 में जीत के बाद भारत ने पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए भी क्वालीफाई कर लिया था। इससे भी भारतीय टीम को तैयारी के लिए कुछ समय मिला और टोक्यो गेम्स 2021 में तीसरा स्थान हासिल करने के बाद वे एक और ब्रॉन्ज मेडल के साथ लौटे।

भारत एकमात्र ऐसी टीम थी जिसने टोक्यो और पेरिस ओलंपिक दोनों में मेडल जीता, जबकि बाकी दो मेडल जीतने वाली टीमों दोनों संस्करणों में अलग-अलग थीं। अगस्त में वर्ल्ड कप में खराब प्रदर्शन के बाद मिली यह जीत भारत के लिए एक बड़ा सहारा भी है। भारतीय टीम टूर्नामेंट में आठवें स्थान पर रहे और सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाए। पुरुष टीम ने एशियन गेम्स 2026 में गोल्ड जीता जबकि महिला टीम ने भी इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट में गोल्ड जीतकर लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 में सीधी जगह पक्की कर ली। सलीमा टेटे की कप्तानी वाली टीम ने एशियन गेम्स के फाइनल में मौजूदा ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट चीन को 1-0 से हराया। यह पहली बार था जब भारतीय पुरुष और महिला दोनों टीमों ने एक ही एशियाई खेलों में गोल्ड जीता।

नेशंस लीग: स्पेन ने चेक रिपब्लिक को 3-1 से हराया



विश्व केसरी ■ मैड्रिड। वर्ल्ड चैंपियन स्पेन ने ओविएडो में चेक रिपब्लिक पर 3-1 से जीत हासिल करके यूईएफए नेशंस लीग में अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखा है। स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने मंगलवार को क्रोएशिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर 4-1 से जीत हासिल करने वाली टीम में नौ बदलाव किए, जिसमें इवान फ्रेस्नेडा और रॉबर्टो फर्नांडीज दोनों ने अपना डेब्यू किया, जबकि फ्रैन गार्सिया, रॉबिन ले नॉर्मैंड और आर्सेनल के गोलकीपर डेविड राया भी टीम में वापस आ गए। इन बदलावों के बावजूद स्पेन ने शानदार जीत हासिल की। स्पेन के लिए युवा स्टार खिलाड़ी लैमिन यामल ने छठे मिनट में पहला गोल किया। इसके बाद 35वें मिनट में रॉड्रिगो हर्नान्डेज ने दूसरा गोल करते हुए स्पेन की बढ़त दोगुनी कर दी। ब्रेक से पहले यामल का एक

और बढ़े। जैसे ही पिनो ने देखा कि फर्नांडीज का शॉट पोस्ट से थोड़ा बाहर चला गया और वह फिनिश करने से कुछ इंच दूर रह गया, चेक टीम ने वापसी की। जिरी स्लामा ने चेक रिपब्लिक के लिए पहला गोल 69वें मिनट में किया। जिरी के गोल से स्कोर 2-1 हो गया। मिकेल मेरिनो ने 89वें मिनट में गोल करते हुए स्पेन की 3-1 से जीत पर मुहर लगा दी। ग्रुप सी में शामिल स्पेन की यह तीसरे मैच में तीसरी जीत थी।

विश्व अंतरिक्ष सप्ताह : स्पुतनिक-1 से शुरू हुआ सफर, आज जलवायु संकट से लड़ने में कर रहा मदद



विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। रविवार से वर्ल्ड स्पेस वीक (विश्व अंतरिक्ष सप्ताह) 2026 की शुरुआत हो रही है। इस मौके पर संयुक्त राष्ट्र ने एक खास पोस्ट शेयर की है। यूएन ने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर लिखा है कि यह वर्ल्ड स्पेस वीक है। जलवायु परिवर्तन पर नजर रखने से लेकर आपदा से निपटने तक, अंतरिक्ष से मिलने वाला डेटा जलवायु संकट से निपटने और हमारे ग्रह की रक्षा में अहम भूमिका

निभा रहा है। यूएन ने बताया कि यूएनओओएसए यानी संयुक्त राष्ट्र का बाहरी अंतरिक्ष मामलों का कार्यालय एक ज्यादा टिकाऊ भविष्य के लिए अंतरिक्ष तकनीक का इस्तेमाल करने पर काम कर रहा है। बता दें कि 6 दिसंबर 1999 को महासभा ने प्रस्ताव के जरिए वर्ल्ड स्पेस वीक की घोषणा की थी। वर्ल्ड स्पेस वीक दुनिया का सबसे बड़ा सालाना अंतरिक्ष कार्यक्रम है।

यह छात्रों को प्रेरित करके भविष्य के लिए कार्यबल तैयार करने में मदद करता है, अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए जनता के समर्थन को दिखाता है, लोगों को अंतरिक्ष गतिविधियों के बारे में शिक्षित करता है और अंतरिक्ष जागरूकता और शिक्षा में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देता है। हर साल वर्ल्ड स्पेस वीक एसोसिएशन के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स द्वारा यूएन ऑफिस फॉर आउटर स्पेस अफेयर्स के साथ मिलकर एक थीम चुनी जाती है।

अंतरिक्ष के अन्वेषण और उपयोग में राज्यों की गतिविधियों को नियंत्रित करने वाले सिद्धांतों पर संधि लागू हुई थी। आज अंतरिक्ष विज्ञान और तकनीक का इस्तेमाल संयुक्त राष्ट्र की कई गतिविधियों में किया जा रहा है। कम से कम 25 संयुक्त राष्ट्र संस्थाएं और विश्व बैंक समूह नियमित रूप से अंतरिक्ष अनुप्रयोगों का उपयोग करते हैं। वे संयुक्त राष्ट्र के काम में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, जिसमें बड़े विश्व सम्मेलनों की सिफारिशों को लागू करना और बाहरी अंतरिक्ष के अन्वेषण और शांतिपूर्ण उपयोग पर तीसरा संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूनीस्पेस III) शामिल है, साथ ही सतत विकास को भी समर्थन देते हैं।



योगाभ्यास के कितनी देर बाद नहाना और खाना चाहिए?, जानें आयुष मंत्रालय की सलाह

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। आजकल खुद को फिट और स्वस्थ रखने के लिए बड़ी संख्या में लोग योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना रहे हैं। सुबह उठकर योग करना न सिर्फ शरीर को सक्रिय रखने में मदद करता है, बल्कि मानसिक तनाव और थकान को कम करने में भी सहायक माना जाता है। अक्सर लोग योगाभ्यास पूरा होते ही अपनी रोजमर्रा की गतिविधियों में लग जाते हैं। ऐसे में आयुष मंत्रालय ने योग के बाद शरीर को आराम देने और नहाने व भोजन के बीच उचित अंतर रखने की सलाह दी है। आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि योगाभ्यास के बाद शरीर को आराम करने और सामान्य स्थिति में लौटने का समय देना चाहिए। मंत्रालय के अनुसार, योग करने के बाद नहाने या भोजन करने से पहले 20 से 30 मिनट का इंतजार करना बेहतर है। इस दौरान व्यक्ति को कुछ समय शांत रहना चाहिए और



शरीर को सहज होने देना चाहिए। इससे योगाभ्यास के बाद दिनचर्या में लौटने के लिए एक अच्छा अंतराल मिल जाता है। दरअसल, योग के दौरान शरीर की मांसपेशियां सक्रिय होती हैं और सांस लेने की गति में भी बदलाव आता है। ऐसे में अभ्यास पूरा होने के बाद कुछ समय आराम करना उपयोगी माना जाता है। योग के बाद जल्दबाजी करने के बजाय शांत बैठना,

सामान्य तरीके से सांस लेना और शरीर को सहज होने देना चाहिए। आयुष मंत्रालय ने योगाभ्यास के लिए खानपान से जुड़ी कुछ जरूरी बातें भी साझा की हैं। मंत्रालय के मुताबिक, संतुलित और पौष्टिक भोजन शरीर और मन को योग के लिए तैयार रखने में मदद करता है। आमतौर पर योगाभ्यास करने वालों के लिए शाकाहारी भोजन को प्राथमिकता देने की सलाह दी जाती है। इसके

अलावा 30 वर्ष से अधिक उम्र के स्वस्थ व्यक्ति के लिए दिन में दो बार भोजन पर्याप्त हो सकता है। हालांकि, बीमारी, अधिक शारीरिक गतिविधि या मेहनत वाला काम करने वाले लोगों की जरूरतें अलग हो सकती हैं। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर और मन के बीच संतुलन बनाने का एक प्रभावी माध्यम है। विभिन्न शोधों में योग को शारीरिक फिटनेस, मांसपेशियों और हड्डियों के बेहतर कामकाज तथा हृदय संबंधी स्वास्थ्य के लिए लाभकारी पाया गया है। नियमित योगाभ्यास डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, सांस संबंधी समस्याओं और जीवनशैली से जुड़ी परेशानियों के प्रबंधन में भी मदद कर सकता है। इसके अलावा योग तनाव, चिंता, थकान और अवसाद के लक्षणों को कम करने में सहायक हो सकता है। महिलाओं में मासिक धर्म और मेनोपॉज से जुड़ी कुछ परेशानियों के प्रबंधन में भी योग लाभकारी माना जाता है।

धनुरासन करते समय भूलकर भी न करें ये 5 गलतियां, वरना फायदे की जगह होगा नुकसान

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। योग में धनुरासन यानी 'बो पोज' को सबसे प्रभावी आसनों में से एक माना जाता है। यह आसन शरीर को धनुष के आकार में मोड़ता है और पूरे शरीर को स्ट्रेच करता है। मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के अनुसार यह पाचन सुधारने, पीठ दर्द कम करने और शरीर को मजबूत बनाने में मदद करता है। लेकिन अक्सर लोग इसे गलत तरीके से करते हैं, जिससे फायदे की जगह कंधे, घुटने और पीठ में चोट लगने का खतरा बढ़ जाता है। अगर आप भी धनुरासन का अभ्यास करते हैं तो इन 5 बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है।

धनुरासन में सबसे आम गलती यह है कि लोग टखनों को ठीक से पकड़ते ही नहीं हैं। हाथों से टखनों को पकड़ते समय पकड़ ढीली होने से शरीर का बैलेंस बिगड़ जाता है और कंधों पर अनावश्यक खिंचाव आता है। हमेशा ध्यान रखें कि दोनों हाथों से टखनों को अंदर की तरफ से मजबूती से पकड़ें और कंधों को पीछे की ओर खींचकर रखें। कंधे और टखनों के बीच एक सीधा तनाव होना चाहिए, तभी शरीर सही धनुष की आकृति ले पाएगा। कई लोग धनुरासन करते समय घुटनों को बहुत ज्यादा फैला देते हैं या उन्हें जमीन से ऊपर उठाने के लिए जोर लगाते हैं। इससे घुटने के

लिगामेंट पर दबाव पड़ता है और दर्द शुरू हो सकता है। सही तरीका यह है कि घुटनों के बीच हिप्स के बराबर दूरी रखें। बहुत ज्यादा चौड़ा न करें। पैरों को ऊपर उठाते समय जांघों की ताकत का इस्तेमाल करें, सिर्फ घुटनों पर जोर न डालें। जिन लोगों को पहले से घुटने में दर्द है, उन्हें योग एक्सपर्ट की देखरेख में ही इसका अभ्यास करना चाहिए। धनुरासन सिर्फ पीठ का आसन नहीं है, यह जांघों और कोर मसल का भी आसन है। अगर जांघों में सक्रियता नहीं होगी तो पूरा वजन पीठ के निचले हिस्से पर आ जाएगा। इससे कमर दर्द बढ़ सकता है।

महर्षि अष्टावक्र के नाम पर रखा गया यह आसन दिखने में भले ही कठिन लगे, लेकिन नियमित अभ्यास से यह शरीर को नई ऊर्जा और संतुलन प्रदान करता है। 'अष्टावक्र' का शाब्दिक अर्थ है 'आठ वक्रता', जो उनके शरीर में मौजूद आठ विकृतियों से संबंधित है। अगला शब्द 'आसन' है,

इन लक्षणों को मामूली समझने की गलती पड़ सकती है भारी, हो सकता है स्ट्रोक का शुरुआती संकेत

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अक्सर सिरदर्द, चक्कर आना, हाथ-पैरों में कमजोरी या अचानक संतुलन बिगड़ने जैसी समस्याओं को थकान या कमजोरी समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि शरीर में अचानक दिखाई देने वाले ये बदलाव संभावित स्ट्रोक यानी ब्रेन अटैक के संकेत भी हो सकते हैं? स्ट्रोक एक गंभीर मेडिकल इमरजेंसी है, जिसमें समय पर इलाज न मिलने पर व्यक्ति की जान तक जा सकती है। इसलिए जरूरी है कि शरीर के इन संकेतों को समझें और लापरवाही करने से बचें। विश्व स्वास्थ्य संगठन

(डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक, हृदय संबंधी बीमारियां दुनियाभर में मौत का सबसे बड़ा कारण हैं। साल 2022 में करीब 1.98 करोड़ लोगों की मौत हृदय संबंधी बीमारियों के कारण हुई, जिनमें लगभग 85 प्रतिशत मौतें हार्ट अटैक और स्ट्रोक की वजह से थीं। स्ट्रोक तब होता है, जब मस्तिष्क के किसी हिस्से में खून की आपूर्ति रुक

जाती है या मस्तिष्क की कोई रक्त वाहिका फट जाती है। ऐसी स्थिति में दिमाग की कोशिकाओं को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती और वे क्षतिग्रस्त होने लगती हैं। स्ट्रोक का सबसे आम लक्षण चेहरे, हाथ या पैर में अचानक कमजोरी आना है। खासतौर पर शरीर के एक तरफ कमजोरी महसूस होना खतरा का संकेत हो सकता है। कई बार व्यक्ति का चेहरा एक तरफ झुकने लगता है या मुस्कुराने पर चेहरे के दोनों

हिस्से सामान्य तरीके से काम नहीं करते। इसके अलावा अचानक बोलने में परेशानी होना, जुबान लड़खड़ाना या सामने वाले की बात समझने में दिक्कत होना भी स्ट्रोक के लक्षण हो सकते हैं। अगर किसी व्यक्ति को अचानक एक या दोनों आंखों से धुंधला दिखाई देने लगे, चलने में परेशानी हो या शरीर का संतुलन बिगड़ जाए, तो इसे सामान्य चक्कर या कमजोरी समझकर टालना नहीं चाहिए।

शरीर को नई ऊर्जा देता है अष्टावक्रासन, अभ्यास से मिलता है संतुलन और शक्ति

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। योग केवल शरीर को लचीला बनाने की क्रिय नहीं है, बल्कि यह मन और आत्मा को संतुलित करने का एक प्राचीन मार्ग है। भारतीय योग परंपरा में अष्टावक्रासन एक ऐसा योगासन है, जो बाजूओं में मजबूती, पेट की मांसपेशियों में कसाव और मानसिक स्थिरता लाने के लिए जाना जाता है। महर्षि अष्टावक्र के नाम पर रखा गया यह आसन दिखने में भले ही कठिन लगे, लेकिन नियमित अभ्यास से यह शरीर को नई ऊर्जा और संतुलन प्रदान करता है। 'अष्टावक्र' का शाब्दिक अर्थ है 'आठ वक्रता', जो उनके शरीर में मौजूद आठ विकृतियों से संबंधित है। अगला शब्द 'आसन' है,

जिसका अर्थ है आसन या मुद्रा। इस आसन के नियमित अभ्यास से बांहों, कलाई, कंधों, नितंबों और कोर की मांसपेशियां मजबूत बनती हैं। आयुष मंत्रालय के अनुसार, अष्टावक्रासन एक उच्च स्तरीय आर्म-बैलेंसिंग योगासन है। यह आसन महान ऋषि अष्टावक्र को समर्पित है। इस आसन के सही अभ्यास के लिए शारीरिक संतुलन, हाथों की मजबूती और कोर की मजबूती की आवश्यकता होती है। अष्टावक्रासन या आठ-कोणीय आसन, एक आधुनिक भुजा संतुलन योगासन है। इस आसन में शरीर की भुजाओं पर कुछ सेकंड के लिए भी संतुलित रखने के लिए कोर, पीठ और भुजाओं में अत्यधिक शक्ति की आवश्यकता होती है।

DR. PRAJWAL SONI
M.B.B.S., M.D.
Obstetrics & Gynaecologist
colposcopist
Laparoscopic Surgeon & Infertility Specialist

Mo. 9827189170
9200668168

Soni Multispeciality Hospital and Maternity Home

📍 **Bade Urla, Raipur Road, Abhanpur (C.G.)** 📞 **911677722**
📍 **Amapara, Pitalband Road, Rajim, Gariyaband (C.G.)** 📞 **7509007388**
✉️ **drprajwalsoni@gmail.com**

कृषि हो या निर्माण क्वालिटी और मजबूती हमारी पहचान - वीनस मशीनरी

Diwali Special Offer

पावर वीडर, पैलेट मशीन, चाफ कटर, आटा चक्की, टोली, कंक्रीट मिक्सर, वाटर टेकर, बेटरी स्पेयर, स्पेयर

निर्माण कार्य कृषि कार्य ग्रामीण क्षेत्र उद्योग एवं प्रोसेसिंग

सिंचाई एवं बागवानी किसानो हेतु उपयुक्त

निर्माता व विक्रेता :

वीनस मशीनरी विक्रेता बरत (अग्ररक्षक)

एफ-1, महिंद्रा शोरूम के बाजू में मेनरोड, देवपुरी, रायपुर (छ.ग.)
फ़ोन : 0771-3149312, मो. : 9343500569, 9516906000

लक्ष्मी इलेक्ट्रानिक

एसी, फ्रीज, कूलर, अलमारी, टीवी

सस्ते दामों में उपलब्ध

पुराना एसी लाईये, नया ले जाईये

बजाज फाईनेस की सुविधा उपलब्ध

गोंदवारा रोड गुडियारी रायपुर मो.-93004-92401

RAIPUR SMART BUSINESS

GST ITR **फाइल बनवाएं मात्र 500/-**

25 वर्ष का अनुभव

• CMA Data + Balance Sheet + प्रोजेक्ट रिपोर्ट
• फूड लाइसेंस + Income Tax Audit + TDS रिफंड

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।

संपर्क: शेखर गुप्ता RIFCO Tax Consultants
C-74, सेक्टर- 1, जुबेस्ता हॉस्पिटल के पास, देवेन्द्र नगर, रायपुर

Whatsapp पर बनवाएं 📞 **9300755544, 8878655544**

Discover the new meaning of pleasure

Noorjaha Prime

DINING ■ BUFFET ■ ROOFTOP ■ LIVE BARBEQUE KITCHEN

📍 City Kotwali Road, Baijnathpara. Raipur. 📞 **83700 09993**

:H.O.:
• Madarsa Road Baijnathpara, Raipur. Mobile: 83700 09994

:OUTLETS:
• Marine Drive, Telibandha, Raipur Mo: 83570 09997

[illegible]

स्वास्थ्यकारि राइक्स् मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लॉट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहवा बाजार, टाटाबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099, स्थानीय कार्यालय **B-87A** गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादक: रामप्रसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा।) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakasari2026@gmail.com, आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251